बर्षः- 05
अंकः- 315
मुरादाबाद
(Wednesday)
11 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

# क्यूँ न लिखूँ सच

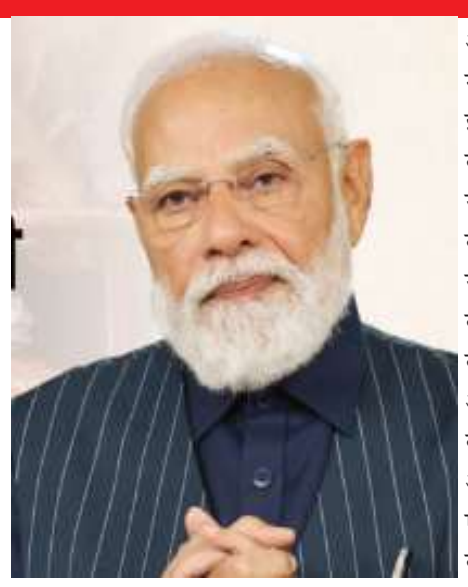

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## ईरान युद्ध का भारत पर असरः LPG की आपूर्ति को लेकर पीएम ने की उच्च स्तरीय बैठक, हरदीप पुरी और जयशंकर हुए शामिल



पश्चिम एशिया में जंग से तेजी से माहौल बदल रहा है। इसका असर अब दुनिया के देशों पर दिखने लगा है। देशों को ईंधन की आपूर्ति की चिंता सताने लगी है। ऐसे में इसके असर की आशंका को देखते हुए पीएम मोदी ने उच्च स्तरीय बैठक की है, जिसमें प्राकृतिक गैस मंत्री और विदेश मंत्री शामिल हुए ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच युद्ध के कारण रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के असर देश के उपभोक्ताओं को बचाने के लिए रणनीतिक योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। मौजूदा संकट की वजह होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना बताया जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई व ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह समुद्री मार्ग बंद हो गया है। यह मार्ग भारत की उर्जा सुरक्षा के लिए बहुत अहम है, क्योंकि देश अपनी कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 फीसदी आयात करता है। भारत में एलपीजी की कितनी खपत होती है?

भारत में हर साल करीब 31.3 मिलिटन टन एलपीजी की खपत होती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एलपीजी वितरण को दो हिस्सों में बांटा है। घरेलू क्षेत्र यानी घरों में इस्तेमाल होनी वाली गैस कुल खपत का 87 फीसदी है। वहीं, होटल, रेस्तरां और उद्योग जैसे व्यावसायिक क्षेत्र 13 फीसदी गैस का इस्तेमाल करते हैं। होटल, रेस्तरां और उद्योगों पर असर

सरकार ने आम लोगों और घरों को ध्यान में रखे हुए घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है। इसकी वजह बाजार कीमत पर मिलने वाले वाणिज्यिक सिलिंडर पर निर्भर होटल, रेस्तरां और उद्योगों को भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कमी का असर मुंबई और बंगलूरू जैसे बड़े शहरों में भी दिखने लगा है। इस पर इंडिया होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने भी चिंता जताई है। संकट से निपटने के लिए क्या तैयारी?- संकट से निपटने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय ने कई आपात कदम उठाए हैं। रिफाइनरी को निर्देश दिया गया है कि वे पेट्रोकेमिकल उत्पादन कम करके एलपीजी का उत्पादन ज्यादा से ज्यादा बढ़ाएं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस सिलिंडर की दोबार बुकिंग का समय 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है, ताकि जमाखोरी और कालाबाजारी को रोका जा सके। गैस वितरण तय करेगी समिति- घरेलू उपभोक्ताओं के अलावा, आयातित एलपीजी को अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों जैसे गैर-घरेलू क्षेत्रों की जरूरतों के लिए भी भेजा जा रहा है। इस स्थिति को संभालने के लिए तेल बाजार की कंपनियों के तीन कार्यकारी निदेशकों की एक समिति बनाई गई है। यह समिति होटल, रेस्तरां और अन्य उद्योगों की मांगों की समीक्षा करेगी और जरूरत, प्राथमिकता और उपलब्धता के आधार पर गैस का वितरण तय करेगी। एचपीसीएल ने क्या कहा?- हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने एक बयान में कहा कि भू-राजनीतिक स्थिति के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। लेकिन उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस अवधि में गैर-जरूरी वाणिज्यिक आपूर्ति के बारे में अंतिम फैसला यही समिति लेगी।

## शंकराचार्य बोले- डरे हुए हैं संत, गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिले



शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गाय को माता घोषित करने की कवायद जारी है। सनातनियों को एकजुट किया जा रहा है। संत डरे हुए हैं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मंगलवार को गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए सिधौली में जनसभा की। इस दौरान बातचीत करते हुए कहा कि नैमिष में हमने किसी संत से कोई बात नहीं की। हमें पहले से पता है कि संत डरे हुए हैं।

उन्हें क्यों समस्या में डालना। हम चाहते हैं कि उन्हें समस्या न हो। उन्होंने नैमिषारण्य से सिधौली पहुंचकर कस्बे के सिद्धेश्वर महादेव धाम में शिव दर्शन किए। सिद्धेश्वर मंदिर पर श्रद्धालुओं ने उनका पुष्पों की वर्षा कर स्वागत किया। मंचासीन होने के बाद कहा कि उन्होंने गाय को गौमाता का दर्जा दिलाने के लिए सनातनियों को एकजुट करने की कवायद छेड़ रखी है।

उन्होंने कहा कि मेरी सरकार से मांग है कि गाय को सरकारी अभिलेखों में पशु दर्ज करने के स्थान पर उसे माता के रूप में दर्ज किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने इस प्रयोजन के लिए बुधवार को लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम में लोगों को आमंत्रित किया। उनके सहयोगी के रूप में मौजूद जगदीशानन्द महाराज ने यात्रा का कारण स्पष्ट किया। आयोजकों में प्रशांत तिवारी व आचार्य मनीष पांडेय ने शंकराचार्य के सिधौली आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। नैमिषारण्य से आते समय उनका मिश्रिख, कल्ली चौराहा, संदना व अलादादपुर तिराहे पर श्रद्धालुओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। सिद्धेश्वर मंदिर में दर्शन के बाद वे लखनऊ रवाना हो गए।

## संक्षिप्त समाचार

### लोकसभा अध्यक्ष को विपक्ष का माइक बंद करने में महारत, महुआ मोइत्रा का तीखा हमला; मचा हंगामा

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पीकर विपक्ष के माइक बंद कर देते हैं और उनकी आवाज दबाते हैं। मोइत्रा ने डिप्टी स्पीकर का पद खाली होने और सांसदों के रिकॉर्ड निलंबन पर भी सरकार को घेरा।तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर तीखा हमला बोला है। मंगलवार को सदन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि स्पीकर ने विपक्षी सांसदों के माइक्रोफोन बंद करने की कला में महारत हासिल कर ली है। वे स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर अपनी बात रख रही थीं। मोइत्रा ने बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने सदन में बहस के दौरान संसदीय प्रक्रियाओं को लेकर कई आपत्तियां उठाईं। महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि सदन में भेदभाव होता है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों को अंत तक बोलने की इजाजत मिलती है, लेकिन जब भी विपक्ष अपनी बात रखने की कोशिश करता है, तो उनका समय कम कर दिया जाता है। योजनाबद्ध तरीके से विपक्ष की आवाज को दबाया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सांसदों की नहीं, बल्कि उन 41 करोड़ भारतीयों की आवाज को दबाने जैसा है जिन्होंने विपक्ष को चुनकर भेजा है।

## लोकसभाः जो नेहरू की आलोचना करते थे, वही अब उनका हवाला दे रहे, प्रियंका गांधी ने किरेन रिजिजू पर किया पलटवार



कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधा। यह तब हुआ जब रिजिजू लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू का हवाला दे रहे थे। प्रियंका ने कहा कि जो लोग भारत के पहले प्रधानमंत्री की दिन-रात आलोचना करते हैं, वही आज उनके वक्तव्यों का हवाला दे रहे हैं। रिजिजू ने क्या कहा? चर्चा के दौरान रिजिजू ने 1954 में तत्कालीन स्पीकर जीवी मावलंकर को हटाने के प्रस्ताव पर नेहरू के बयान का हवाला दिया। रिजिजू ने नेहरू के शब्दों का उद्धरण देते हुए कहा, मैं उन माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा, जिन्होंने इस पर हस्ताक्षर किए हैं और जिन्होंने इसका समर्थन किया है कि वे उस दस्तावेज को पढ़ें जिस पर उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं। यह एक घातक दस्तावेज है। मुझे शक है कि उन्होंने इसे पढ़ा भी है या नहीं। यदि उन्होंने पढ़ा होता तो सौ बार सोचते इससे पहले कि इसे हस्ताक्षर करते। प्रियंका गांधी का पलटवार- रिजिजू ने कांग्रेस पर भी तंज कसा और कहा कि अगर प्रियंका गांधी को विपक्ष के नेता बनाया गया होता तो प्रदर्शन बेहतर होता। उन्होंने कहा, प्रियंका गांधी वहां बैठी हैं और हंस रही हैं। यदि उन्हें विपक्ष का नेता बनाया गया होता, तो प्रदर्शन बेहतर होता। कम से कम वह सदन में बैठतीं, सुनतीं और मुस्कुरातीं। रिजिजू के बयान के बाद प्रियंका गांधी ने कहा, उन्होंने कहा कि मैं हंस रही थी। मैं यह साफ करना चाहती हूं कि मैं इसलिए हंस रही थी क्योंकि जिसे वे दिन-रात नेहरूजी की आलोचना करते हैं और उन्होंने अपने तर्क के समर्थन में नेहरू जी का हवाला दिया। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने अचानक नेहरू जी का सम्मान करना शुरू कर दिया कि उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत किया और ऐसे भाषण दिए। प्रियंका गांधी ने जोर देकर कहा कि केवल एक व्यक्ति ऐसा है, जिसने सरकार के सामने सिर नहीं झुकाया और वह है विपक्ष के नेता राहुल गांधी। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बेझिझक सच बोलते हैं और जो लोग सत्ता पक्ष में बैठे हैं, वे उस सच को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। बाद में संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिका के सामने झुक गई है और उसने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

## राहुल गांधी बोले- कर दिया काम यूथ कांग्रेस वालों ने ,भाजपा ने बयान को बताया शर्मनाक



दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विवादित प्रदर्शन ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। भाजपा मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी को सीधे निशाने पर लिया। भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से राहुल गांधी पर हमला बोला। मालवीय ने कांग्रेस नेता और उनके नेतृत्व में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित ढ्ढ समिट को बाधित करने और नग्न प्रदर्शन करने की घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी बड़े गर्व से कह रहे हैं कि 卐कर दिया काम यूथ कांग्रेस वालों ने卐 जबकि असल में इस प्रदर्शन ने पूरी दुनिया के सामने भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया।उन्होंने लिखा जब दुनिया भर के शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और इनोवेटर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य पर चर्चा कर रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी को लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का सबसे अच्छा तरीका अराजकता और अशोभनीय प्रदर्शन है।कांग्रेस का व्यवहार नेहरू के आदर्शों के बिल्कुल विपरीत- विडंबना यह है कि जिस जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस अपना वैचारिक स्तंभ मानती है, उन्होंने कभी राष्ट्रीय चरित्र और निष्ठा को लेकर बिल्कुल अलग दृष्टिकोण रखा था। 1950 के दशक में, जब महाराजा यशवंतराव होलकर द्वितीय के निधन के बाद इंदौर की गद्दी के उत्तराधिकार का सवाल उठा, तब यह मुद्दा सामने आया कि क्या उनकी अमेरिकी पत्नी से जन्मे बेटे रिचर्ड होलकर को होलकर वंश की विरासत मिलनी चाहिए। उस समय की सरकार, जिसमें राजेंद्र प्रसाद और सरदार वल्लभभाई पटेल भी शामिल थे, के साथ विचार-विमर्श के बाद नेहरू ने स्पष्ट मत रखा, उत्तराधिकारी वही होना चाहिए जो भारतीय माँ से जन्मा हो। यह फैसला एक नए आजाद देश की भावना को दर्शाता था कि वंश, निष्ठा और सभ्यतागत जुड़ाव मायने रखते हैं। आखिरकार सरकार ने महाराजा की भारतीय पत्नी से जन्मी बेटी राजकुमारी उषा देवी राजे साहिब होलकर को होलकर वंश की वैध उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता दी। बाद में नेहरू ने खुद लिखा कि उनकी मान्यता इसलिए हुई क्योंकि वह जन्म से ही होलकर वंश का हिस्सा थीं। यह उदाहरण साफ बताता है कि राष्ट्रीय पहचान और निष्ठा कोई अमूर्त विचार नहीं हैं, वे मूल और जुड़ाव से गहराई से जुड़े होते हैं। यहीं से सवाल राहुल गांधी और कांग्रेस से भी उठता है। अगर खुद जवाहरलाल नेहरू मानते थे कि विदेशी मूल से जन्मा व्यक्ति देश की जिम्मेदारी उठाने के योग्य नहीं माना जा सकता, तो कांग्रेस को नेहरू की ही बात समझने में दिक्कत क्यों है? शायद यही वजह है कि आज वे देश की गरिमा की रक्षा करने के बजाय, दुनिया के सामने भारत को शर्मिंदा करने वाले प्रदर्शनों पर गर्व कर रहे हैं।

क्या है मामला?- गौरतलब है कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हाई-प्रोफाइल इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अंदर घुसकर विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने बेरोजगारी, महंगाई और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों ने समिट स्थल के भीतर अपनी शर्ट उतारकर इंडिया एआई समिट के डिस्प्ले बोर्ड के सामने नारे लगाए और तस्वीरें खिंचवाईं। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और परिसर से बाहर ले जाया गया, ताकि अंतरराष्ट्रीय आयोजन में कोई व्यवधान न हो। इस समिट में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और विदेशी प्रतिनिधिमंडल शामिल थे, जिसके चलते घटना ने राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया पैदा की। सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं ने इसे वैश्विक मंच पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश बताया, जबकि विपक्षी नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक विरोध का अधिकार करार दिया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस तेज हो गई है।

## सेना की बड़ी कामयाबीः सीमा पर फिर नापाक साजिश नाकाम, एक आतंकी ढेर, दूसरे की तलाश जारी




राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की एक कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।अधिकारियों के अनुसार खुफिया एजेंसियों से मिले विश्वसनीय इनपुट के आधार पर मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे नौशेरा के झांगर इलाके में एलओसी के पास दो आतंकियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। इसके बाद सतर्क सैनिकों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके में ऑपरेशन शुरू किया।भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान एक आतंकी मारा गया,

जिससे एलओसी पर किसी भी तरह की घुसपैठ को सफल होने से रोक दिया गया। सुरक्षाबलों ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और दूसरे आतंकी की तलाश की जा रही है। सेना ने पूरे सेक्टर में निगरानी बढ़ा दी है और जमीनी तथा हवाई निगरानी के जरिए इलाके पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

## संपादकीय Editorial

# Anurag on the Congress stage

The Himachal Chief Minister, making a splash, has once again alarmed and surprised the state's fractured political landscape. By using Anurag Sharma, he is not only healing past wounds but also setting the stage for the Rajya Sabha in a new way. By giving Anurag Sharma his second consecutive promotion, he is shattering many aspirations. He inscribes on the Congress party's superior platform the name of a man who has been a harbinger of its political ascendancy. The Chief Minister, who holds the Congress crown and throne in the state, once again proves his absolute authority, bringing the Himachali-capped and veteran Congress leaders to their knees. Many national leaders who were playing cards in the Rajya Sabha elections were left blinking, while the Chief Minister pulled the curtain on the entire drama and put on his show. Clearly, this is Sukhwinder Singh Sukhu's show, leaving many leaders scratching their heads. In this way, he transforms the culture of the Congress and strengthens his governing stamp. This is also Anurag Sharma's second victory. Anurag Sharma, formerly the party's district president from Kangra and now a Rajya Sabha member, is becoming a story of new equations. A new face is being groomed to navigate the seas of national politics from Kangra's perspective, and this is a new addition to the Congress through Sukhu. We can assume that the government's mission repeat needs Kangra again. Upon coming to power, the Chief Minister crowned Kangra as the "Tourism Capital" administratively and rewarded first-time MLA RS Bali with the political position of Tourism Minister. Now, another soldier within the party is being empowered to such an extent that Kangra is being given the responsibility of Anurag in the Rajya Sabha. Rajya Sabha membership has been granted to Kangra leaders before, but they proved to be "Kangdi wrestlers." Viplav Thakur, who has served the longest tenure in the Rajya Sabha for the Congress, should be asked what he has done with his political promotions.

If we ask her, at least, about the issue of Pong Dam displaced people, we will understand how our MPs have been seen to be sidetracked. Now that Anurag Sharma is getting an opportunity, it remains to be seen how much Himachal's vocabulary changes in Parliament. Although he has chosen "Ji Ram Ji Daily Wage" (RDG) and "MNREGA" as his priorities, signing Sukhu's name. Anurag Sharma has already created unimaginable unease. By bringing his name to the forefront, the Chief Minister has proven his dominance even in the eyes of the party high command, shocking the BJP, and showing the party's spent guns their place. This is not just a new tone of politics, but also a wind of change in the Congress party. This is not just a political box of a Rajya Sabha seat, but a new beginning in the Chief Minister's political career. In such a situation, some more bold changes may also emerge. The cabinet reshuffle has remained a matter of speculation. It is possible that now, considering the electoral criteria, the Chief Minister will make changes to his team. Anurag Sharma's entry into the Rajya Sabha also sends a message that some faces from the cabinet and party workers, in the form of "Team Sukhu," may receive new positions and new names. However, before the big swing, the local body elections will test the Congress party's coordination between the organization and the government. The government's Mission Repeat campaign remains to be seen.

# Women's contributions are being recognized, and new opportunities for dignified employment are being created.

This article highlights the central role of women in India's development journey, especially through the "care economy." The Modi government is recognizing and professionalizing this invisible labor, leading to a significant increase in female labor force participation (from 23.3% to 41.7%). The country is preparing to celebrate International Women's Day on March 8th. Women's role in India's development journey has been central, not peripheral. Behind every visible achievement in society today, a women-driven force, the care economy, is working tirelessly. This silent energy provides the foundation for India's existence every moment. It is the dedication of a mother who cooks food for her loved ones before sunrise and then sets out to face the challenges of livelihood. It is the unwavering loyalty of a wife who, even in the most difficult times, ensures the family's foundation remains unshaken. It is the selflessness of a daughter who, even after a tiring day, sits at her parents' bedside at night. This power does not aspire for fame or praise. It is simply a continuous stream of duty, creating silently. Historically, a vast portion of women's contributions, especially unpaid care, informal labor, and community service, have remained outside the scope of traditional economic calculations. Recognizing this, the Modi government has emphasized reducing this invisible aspect of care, giving it social recognition, and ensuring its equitable redistribution. Under Prime Minister Modi's leadership, women are recognized not just as beneficiaries but as harbingers of development. Women-led development is today a strong policy vision, reflected in budgets, programs, and institutional reforms. The government's vision is to professionalize care services and transform them into a new engine of inclusive growth. This is why India has recently seen a significant increase in the female labor force participation rate, rising from 23.3 percent in 2017-18 to 41.7 percent in 2023-24. This figure reflects the rising aspirations of Indian women and their increasing dominance in economic activities. This participation of women in paid work is not only becoming the foundation of household prosperity but also driving national productivity to new heights. The Economic Survey underscores the fact that reducing the burden of unpaid care and commercializing these services will revolutionize the female employment landscape. The Indian care economy currently supports the livelihoods of millions and holds immense potential for job creation in the coming decade. This is why the Union Budget 2026-27 places special emphasis on strengthening the care economy. The government's unwavering commitment to women-led development is clearly reflected in the historic Gender Budget, with allocations reaching an all-time high of over ?5 lakh crore. The Modi government is also investing in the skill development of 1.5 lakh caregivers, expanding working women's hostels, and modernizing Anganwadi centers to ensure early childhood care. It is also strengthening the coordination of health and nutrition systems. All these efforts reflect a clear political and moral commitment that when women receive the necessary support and platforms, the entire economy accelerates. Statutory frameworks such as the Social Security Code and the Occupational Safety, Health and Working Conditions Code strengthen provisions for childcare centers and worker welfare. These reforms embody the profound principle that childcare support is not merely a privilege but an essential structural foundation of economic justice. The Modi government places women and children, who constitute over 65 percent of the country's total population, at the center of national priorities. Their holistic well-being is an essential strategic requirement. By 2050, the number of senior citizens will increase. This will increase caregiving responsibilities within families as well. Additionally, millions of children will desperately need systematic early childhood education, robust nutrition, and health support. Rapid urbanization, migration, and the growing trend of nuclear families have transformed our traditional social support systems. With increasing pressure on informal structures, the need for accessible, affordable, and quality childcare and family services is becoming increasingly urgent. This demand for organized and community-based services will not be limited to metropolitan areas; it will also emerge rapidly in tier-II and III cities and rural areas. Investment in the care economy simultaneously strengthens multiple national goals. It increases female workforce participation, improves child development outcomes, ensures the well-being of the elderly, and creates new opportunities for dignified employment. Institutionalizing and professionalizing care systems empowers women, provides stability to families, and accelerates the overall economy. As India moves from Amritkaal to Vikas Bharat, it is becoming increasingly clear that development cannot be sustainable without strengthening the social foundation. It can be done, and the care economy is that essential foundation. So, on this International Women's Day, we reaffirm our commitment to honoring and institutionally empowering the invisible labor of care.

# Bihar Politics After Nitish Kumar: A Two-Decade-Long Innings Come to an End

With Nitish Kumar's Rajya Sabha nomination, there's talk of his two-decade-long tenure as Chief Minister of Bihar coming to an end. This transition was already confirmed during last year's assembly elections. The BJP is now preparing to appoint its first Chief Minister in Bihar, with names like Samrat Chaudhary being discussed. Nitish Kumar's Rajya Sabha nomination, his departure from the Chief Ministership. The BJP will appoint its first Chief Minister in Bihar. The JD(U)'s support base and the future of state politics. While the entire country was busy celebrating Holi, the media was discussing the political debut of son Nishant through Rajya Sabha membership. However, as the Holi fever subsided, it became clear that Chief Minister Nitish Kumar's more than two-decade-long tenure was coming to an end. Nitish filed his nomination for the Rajya Sabha in Patna in the presence of Union Home Minister Amit Shah. It's clear that the script for this change of power in such a crucial state wasn't written overnight. Perhaps it was written during the assembly elections in November last year. This was not because the BJP won 89 seats compared to the JD(U)'s 85. Even in 2020, the BJP won more seats than the JD(U), yet it still made Nitish Kumar the Chief Minister, as it had the option of forming a government with the RJD. Amid tensions with the BJP, Nitish explored that option, but after not being appointed the convener of the opposition alliance, he returned to the NDA in early 2024. In the 2025 assembly elections, the JD(U)'s seat tally increased from 43 to 85, but after the crushing defeats of the RJD and Congress, Nitish was left with no option. In fact, thanks to the seats won by allies Chirag Paswan's LJP, Jitan Ram Manjhi's HAM, and Upendra Kushwaha's RLSP, the BJP could have crowned its first Chief Minister in Bihar last year by creating a minor rift within the opposition. Instead, it offered Nitish a respectable farewell. Perhaps as part of that, Nitish is going to the Rajya Sabha. It's possible that Nitish Kumar, as a Rajya Sabha member, could receive a significant portfolio in the central government. The JD(U)'s refusal to send Harivansh to the Rajya Sabha for a third term will also leave the post of Deputy Chairman vacant, but given his health concerns, Nitish Kumar is unlikely to assume that responsibility. In any case, the path appears clear for the first BJP Chief Minister in Bihar. The Rajya Sabha elections will be held on March 16th. Nitish will resign as Chief Minister only after being elected to the Rajya Sabha, but discussions within the BJP have already begun on the selection of a new Chief Minister. Several names are being discussed, including Samrat Chaudhary, the BJP's Deputy Chief Minister, in Nitish's government. Past experience shows that those considered in the running for the position rarely reach the winning podium. Devendra Fadnavis is an exception. In the caste-ridden politics of Bihar, selecting its first Chief Minister will not be easy for the BJP, but we have seen it overcome such challenges in its own unique style many times. It remains to be seen whether the BJP will bet on one of its traditional support bases or choose a new face to expand its base. Nitish Kumar's son, Nishant, is also likely to be crowned Deputy Chief Minister in the new government. It will be interesting to see how Nitish, who has made nepotism a major issue against Lalu Prasad Yadav, will justify nepotism. Of course, the BJP will have the advantage of balancing social equations by appointing another Deputy Chief Minister alongside Nishant, provided Chirag Paswan, who has 19 MLAs, doesn't also insist on that position. However, Chirag will have to be appeased first. If the LJP doesn't vote, it will be difficult for Upendra Kushwaha to be elected to the Rajya Sabha. It remains to be seen whether the BJP's challenge to establish its first Chief Minister in Bihar will be more challenging, or the subsequent political scenario. The unexpected surge in the JD(U)'s seats has significantly complicated Bihar's political dynamics. The JD(U) wants to credit Nitish Kumar's charismatic leadership, but under his leadership, the party was reduced to just 43 seats in 2020. Despite occasional controversial remarks, his image has remained that of a clean leader and "good governance babu." Now that he is stepping down as Chief Minister to fulfill his "long-cherished desire" of becoming a member of both houses of Parliament, the question is: where will the support base he has built up in Bihar over the past two and a half to three decades fall in the upcoming elections? The atmosphere at the Chief Minister's residence and the JD(U) office in Patna, and the slogans raised against his own party leaders Lallan Singh, Vijay Chaudhary, and Sanjay Jha, who are close to the BJP, signal internal unease. Even if Tejashwi Yadav's accusations of these leaders colluding with the BJP to "hijack" an unwell Nitish Kumar are considered politically motivated, the vocal reactions from within the JD(U) raise questions about the future of the party's support base. The BJP, which is about to appoint its first Chief Minister in Bihar, will certainly not want to need crutches to form a government in 2030. This will only be possible if a significant portion of the JDU's support base shifts to the RJD. If a significant portion of the JDU's support base shifts to the RJD in the name of "social justice," the resulting lifeline will only exacerbate the BJP's electoral challenges.

# पकौड़ी के चक्कर में खो दी पत्नी: शादी के चार माह बाद पति को छोड़ प्रेमी संग भागी बीवी, ऐसे जाल में फंसा पति

विवाहिता ने अपने पति को पकौड़ी और पानी की बोतल लेने के लिए बस स्टैंड के निकट कैंटीन पर भेज दिया और यह भी कहा कि पकौड़ी अपने सामने गर्म करवाकर तेज सिकवा कर लाना। युवक जब पकौड़ी लेकर बस में आया तब उसकी पत्नी सीट पर नहीं थी। फोन करने पर उसकी पत्नी का मोबाइल स्विच ऑफ आया।बस स्टैंड पर खड़ी बस में बैठी विवाहिता ने अपने पति को पकौड़ी लेने के लिए नीचे भेज दिया। पति जब पकौड़ी लेकर वापस आया तब वह बस से गायब मिली। विवाहिता के बस से उतरकर प्रेमी संग में जाने की चर्चा होती रही। होली मनाने मायके आई थी पत्नी

यूपी के अमरोहा के देहात थाना अंतर्गत एक गांव निवासी युवक की शादी चार माह पहले रामपुर जिले के थाना सैफनी अंतर्गत एक गांव निवासी युवती के साथ हुई है। होली का त्योहार अपने मायके में मनाने के लिए विवाहिता होली से एक सप्ताह पहले सैफनी के निकट के गांव में आई थी। सोमवार सुबह विवाहिता का पति उसे लेने के लिए आया था। दोनों पहले तो बस से सैफनी से बिलारी आए और दोपहर में बिलारी बस स्टैंड पर बिलारी से मुरादाबाद जाने के लिए रोडवेज की एक बस में बैठ गए।%अपने सामने गर्म करवाना पकौड़ी%- पता चला है कि विवाहिता ने अपने पति को पकौड़ी और पानी की बोतल लेने के लिए बस स्टैंड के निकट कैंटीन पर भेज दिया और यह भी कहा कि पकौड़ी अपने सामने गर्म करवाकर तेज सिकवा कर लाना। युवक जब पकौड़ी लेकर बस में आया तब उसकी पत्नी सीट पर नहीं थी। फोन करने पर उसकी पत्नी का मोबाइल स्विच ऑफ आया। युवक ने बस में बैठे अन्य यात्रियों से पूछा तब वह इतना ही बता पाए कि संबंधित महिला यात्री किसी से मोबाइल फोन पर बात करते हुए बस से नीचे उतर गई।

शादी से पहले चल रहा था युवती का चक्कर- परेशान युवक ने काफी देर तक अपनी पत्नी को इधर-उधर तलाशा लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। बाद में युवक ने अपने घर और अपनी ससुराल में भी इस घटनाक्रम की सूचना दी। बस स्टैंड पर मौजूद कुछ लोग यह चर्चा करते देखे गए कि विवाहिता का शादी से पहले ही अपने गांव के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस से नहीं की शिकायत- चर्चा में यह आशंका भी जताई गई कि विवाहिता पति को धोखा देकर अपने प्रेमी संग चली गई है। थाना बिलारी पुलिस का कहना है कि उनके पास अभी ऐसी कोई लिखित सूचना नहीं आई है।

# युद्ध की तपिश से झुलस रहा देश का निर्यात कारोबार, 40 से 45 हजार कंटेनर बीच राह अटके, आर्थिक मार का खतरा

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण भारत का निर्यात प्रभावित हो रहा है। मुरादाबाद का पीतल हस्तशिल्प और पश्चिमी यूपी का चावल निर्यात बुरी तरह प्रभावित होने लगा है। करीब 40-45 हजार कंटेनर रास्ते में फंसने से लागत पांच गुना तक बढ़ गई है। पश्चिम एशिया युद्ध की तपिश से भारतीय निर्यात झुलसने लगा है। मुरादाबाद का पीतल हस्तशिल्प ही नहीं, चावल निर्यात भी बुरी तरह प्रभावित है। मुरादाबाद के अलावा नजदीकी जिलों और पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बड़ी मात्रा में चावल विदेशों में निर्यात किया जाता है।युद्ध से प्रभावित देशों में भारतीय चावल और मुरादाबाद-संभल के हस्तशिल्प उत्पादों की खासी मांग रहती है। जानकार बताते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माहौल प्रभावित होने से अब तक देश का करीब दो हजार करोड़ रुपये का निर्यात प्रभावित हो चुका है।दरअसल भारत से सऊदी अरब सहित सभी मध्य पूर्व देशों में जाने वाला माल रास्ते में फंस गया है। शिपिंग कंपनियों के माध्यम से जाने वाले कंटेनर निकल नहीं पा रहे। अनुमान है कि करीब 40 से 45 हजार कंटेनर रास्ते में अटक गए हैं। इससे निर्यात लागत में करीब पांच गुना का इजाफा हो गया

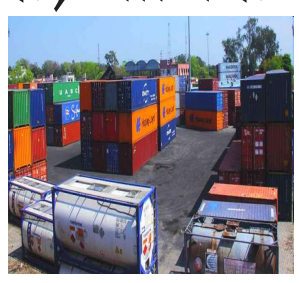

है। शिपिंग कंपनियों द्वारा फंसे माल का अतिरिक्त चार्ज मांगने या कंटेनर खाली करने की शर्त रखी जा रही है। इससे निर्यातकों व उद्यमियों पर और बड़ी आर्थिक मार का खतरा बढ़ गया है। जानकार बताते हैं कि भारत से दुनिया के करीब 137 देशों को बासमती चावल का निर्यात होता है। लगभग सौ से अधिक देशों में मुरादाबाद के पीतल व मेटल उत्पाद, संभल के हड्डी-सींग व लकड़ी उत्पादों की भी सप्लाई है। चावल के मामले में पश्चिमी यूपी ही नहीं हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्य इन दिनों प्रभावित हैं। निर्यातकों का कहना है कि जल्द हालात नहीं सुधरे तो मुरादाबाद समेत पश्चिमी यूपी और कई राज्यों की निर्यात चेन और बुरी तरह प्रभावित होगी। एक मार्च से ही दुनिया के किसी भी देश में भारतीय चावल नहीं जा पा रहा है। इस समय करीब दो लाख टन बासमती चावल जिसकी कीमत करीब 1700-1800 करोड़ रुपये है, विभिन्न बंदरगाहों व रास्ते में फंसा है। इंडिया के पोर्ट पर भी करीब दो लाख टन चावल पड़ा है, जिसे विभिन्न देशों में भेजा जाना था। इसके चलते अतिरिक्त और भारी लागत की मार की आशंका है। हालांकि सरकार ने प्रयासों का भरोसा दिया है। -सतीश गोयल, प्रधान ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन एक मोटे अनुमान के मुताबिक पश्चिम एशिया युद्ध के कारण 45000 कंटेनर अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों और ट्रांजिट मार्गों में फंसे हुए हैं। इससे निर्यात लागत में भारी वृद्धि हुई है। साथ ही सप्लाई की चेन प्रभावित है। सामान्य दिनों में 800 से 1500 डॉलर प्रति कंटेनर का खर्च आता था। अब 3000 से 5000 डॉलर तक अतिरिक्त सरचार्ज झेलना पड़ रहा है। मुद्दा केवल लागत बढ़ने का नहीं है, बल्कि भारत की वैश्विक विश्वसनीयता और समयबद्ध आपूर्ति क्षमता पर भी असर है। हमारे कई निर्यातक विशेषकर एमएसएमई सेक्टर वाले उद्यमी भारी दबाव में हैं। सरकार और शिपिंग लाइनों से राहत उपायों की अपेक्षा है। - नवेद उर रहमान, अध्यक्ष मेटल हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट एसोसिएशन एक मार्च से ही देश के सभी बंदरगाहों से निर्यात ठप है। शिपिंग कंपनियों ने माल भेजना बंद कर दिया है।ै, उसे सुरक्षित रखने और वापसी के लिए भी कंपनियां अतिरिक्त खर्च मांग रही हैं। जो माल बंदरगाहों पर कंटेनरों में लोड हो चुका है, उसके लिए कंपनियों का दबाव है कि कंटेनरों को खाली करें या अलग से भुगतान करें। संभल से हड्डी-सींग, लकड़ी के उत्पाद निर्यात किए जाते हैं। चावल और मेंथा का भी निर्यात है। इस माल की सप्लाई रास्ते में अटक जाने से निर्यातकों और उद्यमियों को काफी नुकसान की आशंका है। - कमल कौशल वार्ष्णेय, मंडलीय सचिव, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन मुरादाबाद

## संक्षिप्त समाचार

### जामा मस्जिद इमाम और उनके भाई पर सात करोड़ का जुर्माना, सरकारी जमीन पर मस्जिद, दरगाह और मकान बनाने का आरोप

संभल की जामा मस्जिद इमाम और उनके भाई पर सात करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उन पर सरकारी जमीन पर मस्जिद, दरगाह और मकान बनाने का आरोप है। सराय में मौलाना खुर्शीद मियां की मजार, मस्जिद और मकान को

तहसीलदार न्यायालय से खाली करने का आदेश किया है। संभल शहर के चंदौसी मार्ग पर स्थित गांव सैफखां सराय में मौलाना खुर्शीद मियां की मजार, मस्जिद और मकान को तहसीलदार न्यायालय से खाली करने का आदेश किया है। यह निर्माण ग्राम समाज की जमीन पर है। खाली करने के लिए 30 दिन का समय दिया है। वहीं, वर्षों तक कब्जा करने के आरोप पर जामा मस्जिद के शाही इमाम और उनके भाई पर सात करोड़ का जुर्माना भी लगाया है। कब्जा छोड़ने के साथ सात करोड़ का जुर्माना भी अदा करना होगा।वर्तमान में इस परिसर में बने मकान में जामा मस्जिद के शाही इमाम मौलाना आफताब हुसैन वारसी और उनके भाई मेहताब हुसैन रहते हैं। इसी परिसर में शाही इमाम के पिता मौलाना खुर्शीद मियां की मजार है और एक अन्य मजार बनी हुई है। दोनों भाइयों पर सात करोड़ का जुर्माना- मस्जिद भी इसी परिसर में बनी है। वहीं, दूसरी ओर तहसीलदार धीरेंद्र सिंह का कहना है कि उनकी कोर्ट में मामला विचाराधीन था। जिसमें शनिवार को बहस पूरी हो चुकी है। अब बेदखली का आदेश किया गया है। साथ ही दोनों भाइयों पर सात करोड़ का जुर्माना भी लगाया है। तहसीलदार ने बताया गया है कि गाटा संख्या 452 की करीब दो बीघा ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा कर मस्जिद, मजार और मकान का निर्माण किया गया है। 1972 में तत्कालीन तहसीलदार ने इस जमीन के पट्टे निरस्त कर ग्राम समाज की जमीन घोषित किया था। लेखपाल की रिपोर्ट पर धारा 67 के तहत कार्रवाई- इसके बाद भी इस जमीन पर कब्जा कर लिया गया। हल्का लेखपाल की रिपोर्ट पर धारा 67 के तहत कार्रवाई आगे बढ़ी है। मालूम हो 2016 और 2017 में सरकारी जमीन होने का दावा करते हुए शिकायत की गई थी। बाद में मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा था। लेकिन आगे की कार्रवाई अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं, दूसरी ओर एक शिकायत तहसीलदार न्यायालय में भी दर्ज कराई गई थी। उसमें ही सुनवाई के दौरान अब कब्जा मुक्त किए जाने का आदेश किया गया है। शाही इमाम का तर्क- इबादतगाह है, हम देखभाल करते हैं मस्जिद और मजार सुन्नी वक्फ बोर्ड में दर्ज है और वर्षों पहले निर्माण किया गया था। जिसके मुतवल्ली मौलाना खुर्शीद मियां थे। उनके निधन के बाद मुतवल्ली मौलाना आफताब हुसैन वारसी हैं। मजार पर प्रशासन की अनुमति से हर साल उर्स भी आयोजित किया जाता है। यह इबादतगाह है और हम इसकी देखभाल करते हैं। यह तर्क मौलाना आफताब हुसैन वारसी की ओर से तहसीलदार न्यायालय में दाखिल किया गया था। तहसीलदार का कहना है कि निर्माण 20 वर्ष पहले किया गया था। 1972 में इस जमीन को ग्राम समाज की घोषित कर दिया गया था। 1972 में तत्कालीन तहसीलदार संभल ने पट्टे निरस्त कर ग्राम समाज की भूमि घोषित किया था। इसके बाद भी दो लोगों ने जमीन पर कब्जा कर लिया। अब न्यायालय से बेदखली का आदेश किया है। अब कब्जा हटाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। कब्जाधारकों को खाली करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है।-धीरेंद्र सिंह, तहसीलदार, संभल

# कुंदरकी भाजपा विधायक के बेटे ने युवक को पीटा, विरोध पर मुंह में डाली पिस्टल, SSP बोले-कराएंगे जांच

गोविंद नगर निवासी लक्ष्मण सिंह ने एक वीडियो वायरल की है। इसमें उसने कुंदरकी के भाजपा विधायक रामवीर सिंह के बेटे पर पिटाई करने और पिस्टल से धमकाने का आरोप लगाया है। विधायक का कहना है सभी आरोप निराधार हैं।झोलाछाप लक्ष्मण सिंह ने वीडियो वायरल कर भाजपा विधायक रामवीर सिंह के बेटे विक्की ठाकुर पर पीटने का आरोप लगाया है। हालांकि उसने लिखित में पुलिस से शिकायत नहीं की है। कटघर थाना क्षेत्र के गोविंद नगर निवासी लक्ष्मण सिंह ने वायरल वीडियो में बताया कि रविवार की दोपहर 12 बजे कुंदरकी के भाजपा विधायक रामवीर सिंह के बेटे विक्की ठाकुर ने फोन कर कहा कि विवाद निपटाना है।करीब नौ बजे वह दिल्ली रोड पर एक ढाबे पर पहुंच गया। उसने यह भी दावा किया है कि वहां शराब पिलाई जा रही थी। उसने भागने

की कोशिश की तो विक्की ने अपने साथियों से उसे पकड़वा लिया और कहा कि दो लाख रुपये देने होंगे। विरोध पर मुंह में पिस्टल डाल दी और जान से मारने की धमकी दी और साथियों से पिटाई कराई।इसके बाद सभी लोग उसे कार में डालकर पाकबड़ा थाने ले गए लेकिन पुलिस ने विधायक के बेटे और अन्य लोगों को जाने दिया। पुलिस ने मोबाइल से वीडियो डिलीट करा दिया। पीड़ित किसी तरह अपना इलाज कराने जिला अस्पताल पहुंच गया और अपना इलाज कराया। हालांकि उसने लिखित में थाने में कोई तहरीर नहीं दी है। एसएसपी सतपाल अंतिल का कहना है कि सोशल मीडिया के जरिए जानकारी मिली है। आरोप लगाने वाले व्यक्ति ने लिखित में कोई शिकायत नहीं की है। इस मामले की जांच कराई जा रही है। लक्ष्मण भाजपा कार्यकर्ता हैं। एक दिन पहले वह होली मिलन कार्यक्रम में मिलने के लिए भी आया था। मारपीट की घटना कैसे हुई। उनको पता नहीं है। इस घटना में उनका पुत्र शामिल नहीं रहा है। उनको मारपीट की कुछ वीडियो मिली हैं।

# मुरादाबाद मंडल में गैस सिलिंडरों की आपूर्ति प्रभावित, रामपुर- अमरोहा और संभल में बढ़ी परेशानी

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध का असर दिखने लगा है। मंडल में कॉमर्शियल गैस सिलिंडरों की सप्लाई रोक दी गई है। इसके साथ ही घरेलू सिलिंडर की सप्लाई 25-30 दिन बाद होगी।

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध का असर स्थानीय स्तर पर भी आपूर्ति प्रभावित होने से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ने लगी है। रामपुर, पहुंच रही है। इसके अलावा अब उपभोक्ताओं को बुकिंग के तीस दिन लोगों की संख्या भी बढ़ गई है।होटल-रेस्टोरेंट में कॉमर्शियल सिलिंडर का असर गैस सिलिंडर पर पड़ने वाला है। हालात के देखते हुए इंडियन की सप्लाई पर रोक लगा दी है। यहां भी घरेलू गैस की सप्लाई की संचालकों की ऑनलाइन मीटिंग में लिया गया। शहर में छोटे बड़े 200 से पीएनजी कनेक्शन है। जबकि अधिकांश के किचन कॉमर्शियल सिलिंडर फूड संचालक हैं। इनमें भी सिलिंडर का इस्तेमाल करने वालों की संख्या अवधि पहले ही बढ़ा दी है। बुकिंग के दूसरे या तीसरे दिन में मिल जाने रेस्टोरेंट संचालक परेशान- अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे लगा है। हालात को देखते हुए इंडियन गैस सर्विस ने होटलों, ढाबों और किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की सप्लाई रोक दी है। इसके फैसले के बाद होटल और रेस्टोरेंट संचालकों में हड़कंप मच गया है।

कारोबार पर सीधा असर पड़ेगा और ग्राहकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। गैस कंपनियों की ओर से एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर नई गाइडलाइन जारी की गई है। इसके तहत फिलहाल कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति सीमित या बंद किए जाने की बात सामने आ रही है। इससे होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। होटल संचालकों का कहना है कि उनके प्रतिष्ठान पूरी तरह गैस सिलिंडरों पर निर्भर हैं। फिलहाल वे अपने पास मौजूद सिलेंडरों के स्टॉक से काम चला रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे यह स्टॉक खत्म होगा, होटल चलाना मुश्किल हो जाएगा। अमरोहा में आपूर्ति प्रभावित, शहर से गांव तक लोग परेशान- युद्ध का असर अब आम लोगों की जिंदगी पर भी दिखाई देने लगा है। अमरोहा जिले में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से शहर से लेकर गांव तक उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह गैस एजेंसियों पर सिलेंडर की कमी के कारण उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। गैस एजेंसियों संचालकों के पिछले कुछ दिनों से पीछे से सिलेंडरों की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इसके चलते एजेंसियों के पास पर्याप्त सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं और उपभोक्ताओं को इंतजार करना पड़ रहा है। जिन घरों में गैस खत्म हो चुकी है, वहां खाना बनाने में दिक्कतें बढ़ गई हैं। कई लोग मजबूरी में वैकल्पिक व्यवस्था करने को विवश हैं। कारोबारी रिजवान पाशा ने बताया कि गैस बुकिंग की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है। संबंधित गैस कंपनी के नंबर पर कॉल कर ओटीपी के जरिए बुकिंग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ओटीपी भी वापस नहीं मिल रहा है। इससे सिलेंडर बुकिंग में भी समस्या आ रही है और लोगों की चिंता बढ़ गई है। मोहल्ला इस्लामनगर निवासी अधिवक्ता कौशर अली ने बताया कि उनके घर का गैस सिलेंडर खत्म हो गया था। जब उन्होंने एजेंसी संचालक को फोन कर सिलेंडर देने के लिए कहा तो उन्हें बताया गया कि पीछे से ही गैस सिलेंडरों की आपूर्ति नहीं हो रही है।

शुरू हो गया है। मुरादाबाद मंडल में इन दिनों रसोई गैस सिलिंडरों की अमरोहा और संभल जिलों में कमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई देरी से बाद ही गैस सप्लाई होगी। गैस एजेंसियों के बाहर पूछताछ करने वाले की सप्लाई रोकी- अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध गैस सर्विस ने होटलों और रेस्टोरेंट में 19 किग्रा के कॉमर्शियल सिलिंडर जाएगी। यह निर्णय सोमवार को इंडियन गैस सर्विस से जुड़े एजेंसी ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट हैं। जहां किचन की सुविधा है। कुछ के पास के सहारे चलते हैं। इसके अलावा शहर में पांच हजार से ज्यादा स्ट्रीट ज्यादा हैं। युद्ध को देखते हुए गैस एजेंसियों ने घरेलू गैस की बुकिंग की वाले सिलिंडर अब 25 से 30 दिन बाद मिलेंगे। रामपुर में होटल- युद्ध का असर रामपुर जिले में भी गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर भी पड़ने रेस्टोरेंट समेत अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होने वाले 19 स्थान पर घरेलू गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। इस उनका कहना है कि कमर्शियल सिलिंडरों की सप्लाई बंद होने से

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# एस0 एच0 इण्टर कॉलिज में बोर्ड परीक्षा का शान्तिपूर्ण परीक्षाओं का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद/ एस0 एच0 इण्टर कॉलिज इमरतपुर ऊधौ, कुन्दरकी, मुरादाबाद में हाईस्कूल / इण्टरमीडिएट 18 फरवरी 2026 से 10 मार्च 2026 तक परीक्षाएँ सुचारु रूप से केन्द्रव्यवस्थापक श्री मुहम्मद नदीम, अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक श्री मनोहर पाल सिंह, पर्यवेक्षक श्री हरेकृष्ण तथा स्टेटिक मजिस्ट्रेट श्री यशपाल व परीक्षा प्रभारी कु0 तरन्नुम व उच्च / निम्न अधिकारियों के निरीक्षण गण द्वारा शान्तिपूर्ण परीक्षाएँ संचालित व सम्पन्न हुईं

और 10 मार्च 2026 को गृहविज्ञान इण्टरमीडिएट परीक्षा के साथ सायं 5:15 PM पर शान्तिपूर्ण परीक्षाओं का समापन हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्धक द्वारा परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होकर केन्द्रव्यवस्थापक व परीक्षा में लगे कक्ष निरीक्षकों व पुलिस बल व छात्र/छात्राओं का शुक्रिया अदा किया।

और कहा की विद्यालय परिवार सभी का आभारी रहेगा।

# सुबह कोहरा,दिन में धुंध, मौसम के दिखे अजब रंग

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली समेत आसपास के जिलों में मंगलवार को मौसम के अजब रंग देखने को मिले। सुबह कोहरा छाया रहा तो दिन में धुंध छाने से लोग हैरत में पड़ गए। बरेली के बिथरी चैनपुर, बारादरी, आंवला और सिरौली आदि इलाकों में सुबह के वक्त बेमौसम कोहरा छाया रहा। दिन में धुंध छाने से जनजीवन पर असर पड़ा। अधिकतम तापमान 32 डिग्री के पार - बरेली में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 14 मार्च तक मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है। इसके बाद बारिश होने के आसार बन रहे हैं। बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर जिले में भी कमोवेश ऐसा ही मौसम रहा। मौसम में बदलाव के संकेत- बदायूं जिले में मौसम का मिजाज बदला नजर आया। सुबह के समय हल्का कोहरा छा गया और वातावरण में धुंध बनी रही। इसके साथ ही बादलों की चादर भी फैली रही, जिससे मौसम में बदलाव के संकेत मिले।

हालांकि दोपहर के समय हल्की धूप निकली, लेकिन पूरे दिन आसमान में बादलों की आवाजाही जारी रही। कोहरे के कारण सुबह के समय लोगों को ठंडक का अहसास हुआ, लेकिन तापमान में खास गिरावट नहीं होने से दिन में हल्की गर्मी का असर बना रहा। मौसम के इस बदलते मिजाज को लेकर लोगों में चर्चा रही। विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में उतार-चढ़ाव के कारण सर्दी, खांसी और वायरल जैसी बीमारियों के मामले भी बढ़ सकते हैं, इसलिए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने की जरूरत है। सोमवार और मंगलवार दोनों दिन सुबह छह बजे कोहरा आ गया था। हालांकि सोमवार को धुंध नहीं थी। सुबह छाया कोहरा हटने के बाद पूरे दिन बादल और धुंध छाई रही। बेमौसम आए कोहरे को लेकर लोगों में चर्चा आम रही।

# डीएम की मेहनत से होली पर बरेली को बड़ा तोहफा, सीएम डैशबोर्ड में प्रदेश में नंबर-1 बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के नेतृत्व और लगातार मॉनिटरिंग का असर है। सीएम डैशबोर्ड में जनपद बरेली ने की संयुक्त रैंकिंग में हासिल किया है। रैंकिंग के अनुसार में प्रदेश में पहला तीसरा स्थान प्राप्त कि पिछले माह लेकिन बेहतर पायदान की छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल कर लिया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की निरंतर समीक्षा, सख्त मॉनिटरिंग और विभागीय अधिकारियों के समन्वय से विकास कार्यों की गति तेज हुई है। जनवरी माह में जहां जनपद विकास कार्यों में चौथे और राजस्व कार्यक्रमों में नौवें स्थान पर था, वहीं फरवरी में राजस्व कार्यों में छह पायदान की छलांग लगाते हुए तीसरा स्थान और विकास कार्यों में पहला स्थान हासिल किया गया। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए निर्देश दिए कि विकास और राजस्व कार्यक्रमों की प्रगति को इसी तरह आगे भी बनाए रखें ।

अब साफ दिखाई देने लगा की फरवरी-2026 की रैंकिंग विकास और राजस्व कार्यों पूरे प्रदेश में पहला स्थान मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बरेली ने विकास कार्यक्रमों और राजस्व कार्यक्रमों में किया है। खास बात यह है बरेली चौथे स्थान पर था, प्रदर्शन के चलते इस बार तीन

# गड्ढे भरने की फुर्सत नहीं, नया खोदने की जल्दी !

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। विकास के नाम पर शहर की सूरत बिगाड़ने और जनता को आफत में झोंकने का खेल श्यामगंज में चरम पर है। गल्ला मंडी से लेकर फ्लाईओवर तक जलकल विभाग ने पहले पेयजल पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क का सीना चीर दिया और काम के बाद उसे ऊबड़-खाबड़ हाल में ही छोड़ दिया, जिससे लोग पहले से ही चोटिल हो रहे थे। अब रही-सही कसर श्यामगंज चौराहे के बीचो-बीच ट्रंक सीवर लाइन जोड़ने के लिए शुरू हुई नई खुदाई ने पूरी कर दी है। इस व्यस्त चौराहे पर सोमवार को दिनभर अफरा-तफरी का माहौल रहा और पाइपलाइन के मलबे व सीवर की नई खुदाई के दोहरे वार से पूरा इलाका जामगंज में तब्दील हो गया। वाहनों की लंबी कतारों के बीच पुलिस के पसीने छूट गए। सीवर लाइन के खोदे गए गड्ढे को जलकल विभाग के अफसर भले ही इसे कालीबाड़ी क्षेत्र की सीवर समस्या का समाधान बता रहे हों, लेकिन बिना किसी पूर्व योजना और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था किए चौराहे को खोद देना विभाग की अदूरदर्शिता को दर्शाता है। एक तरफ जहां साहू गोपीनाथ से फ्लाईओवर तक की सड़क को मिट्टी डालकर खानापूर्ति कर दी गई है, जहां हर दस मिनट में लगने वाले जाम के कारण राहगीरों के बीच झगड़े होते हैं। दूसरी तरफ, अब मुख्य चौराहे की घेराबंदी ने मुसीबत ओर बढ़ा दी है।

# पीलीभीत में 14 मार्च को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविंद कुमार / पीलीभीत / उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पीलीभीत के अध्यक्ष श्री रविन्द्र कुमार ने आज प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक सचिव सतीश कुमार के विश्राम कक्ष में सायं 04:30 बजे आयोजित की गई। बैठक में अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत गीता सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में 14 मार्च 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर चर्चा की गई। गीता सिंह ने अधिकारियों को अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित कर निस्तारित करने के निर्देश दिए। सचिव सतीश कुमार ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे पक्षकारों को लोक अदालत में उपस्थित होने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें, ताकि आमजन को त्वरित, सुलभ और सस्ता न्याय मिल सके। राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी वाद, समझौता योग्य फौजदारी वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, बैंक ऋण संबंधी मामले, श्रम विवाद, बिजली और पानी के बिल से जुड़े प्रकरण सहित अन्य मामलों का निस्तारण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संबंधित विभागों, बैंकों, बीमा कंपनियों और अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित किया है। सतत प्रयासों से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि 14 मार्च की राष्ट्रीय लोक अदालत सफल और प्रभावी रूप से आयोजित हो।

## अग्निवीर भर्ती रैली आज से

# सुरक्षा के लिए दो प्लाटून पीएसी, 15 स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। अग्निवीर सेना भर्ती रैली और एसआई भर्ती परीक्षा के लिए पुलिस-प्रशासन के साथ रेलवे, रोडवेज, नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुटा हुआ है। सुरक्षा की दृष्टि से रैली और परीक्षा दौरान दो प्लाटून पीएसी तैनात रहेगी। विभिन्न रूटों पर 150 रोडवेज बसों को लगाया जाएगा। शहर में 15 स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी, ताकि जाम की समस्या न हो और अभ्यर्थी आसानी से अपने केंद्रों तक पहुंच सकें।

सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से सभी बंदोबस्त किए जा रहे हैं। अग्निवीर भर्ती रैली के दौरान रात में नकटिया से ट्रैफिक भी वन-वे किया जाएगा। भर्ती रैली 13 दिन चलेगी। रोजाना औसतन एक हजार अभ्यर्थी आएंगे। दो दिन एसआई भर्ती परीक्षा के दौरान 38 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी आएंगे।

रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर अतिरिक्त काउंटर खोले जाएंगे ताकि दूसरे जिलों से आने वाले अभ्यर्थियों को आसानी से परीक्षा केंद्रों की जानकारी मिल सके। ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे स्थानों को चिह्नित कर लिया है, जहां अतिरिक्त भीड़ के कारण जाम की समस्या हो सकती है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 25 ई-बसों को भी लगाया जाएगा।

बरेली में सेना भर्ती कार्यालय की ओर से वर्ष 2025-26 में अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 11 से 19 मार्च तक किया जाएगा। इस दौरान बरेली समेत 13 जिलों के चयनित करीब दस हजार अभ्यर्थियों का परीक्षण होगा। इसके लिए जाट रेजिमेंट सेंटर में तैयारी पूरी हो चुकी है । भर्ती कार्यालय की ओर से अभ्यर्थियों के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। इसमें कहा गया कि जिन अभ्यार्थियों ने अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं किया है, वह समय से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड करें।

# व्यावसायिक सिलिंडरों पर संकट : होटल और रेस्टोरेंट को आपूर्ति रोकी

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध के कारण व्यावसायिक गैस सिलिंडरों पर संकट मंडराने लगा है। बरेली में पेट्रोलियम कंपनियों ने सभी गैस एजेंसियों और जिला पूर्ति अधिकारी को रेस्टोरेंट को व्यावसायिक दी है। विशेष परिस्थितियों भेजे जाने पर उनको उपलब्ध कराए जाएंगे। पुलिस, सेना, अस्पताल, रहेगी। सात मार्च को बढ़ाई कंपनियों ने सात मार्च को में 60 और व्यावसायिक की कीमत में 115 रुपये की बढ़ोतरी की थी। साथ ही, बुकिंग में 25 दिन का नियम लागू कर दिया था। नए नियम के तहत अब एक बार घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग के बाद दूसरी गैस सिलिंडर की रिफिल के लिए बुकिंग 25 दिन बाद ही होगी। उधर, उत्तर प्रदेश एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेश सचिव आदर्श शर्मा ने बताया कि पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से यह आदेश शनिवार को ही जारी किया गया था। इससे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आम जनता की जेब पर असर पड़ेगा।

आदेश जारी कर होटल-सिलिंडरों की आपूर्ति रोक में एजेंसी की ओर से डिमांड व्यावसायिक सिलिंडर आवश्यक सेवाओं जैसे रेलवे को आपूर्ति जारी गई थी कीमत - पेट्रोलियम घरेलू सिलिंडर की कीमत

## संक्षिप्त समाचार

# बरेली में धोपेश्वरनाथ मंदिर के सेवादार ने दी जान

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । कैंट इलाके में स्थित धोपेश्वर नाथ मंदिर के सेवादार विजय राठौर ने फंदा लगाकर जान दे दी। इससे पहले उसने 32 मिनट 34 सेकंड का एक वीडियो बनाकर यूट्यूब पर अपलोड किया। इसमें

उसने प्रेमिका के घरवालों के साथ अपने परिजनों पर भी प्रताड़ित करने व पीटने का आरोप लगाया है। साथ ही पुलिस से झूठी शिकायत करने और पुलिस पर रुपये लेने का भी आरोप लगाया है। अब मेरे पास यही रास्ता बचा है... यूट्यूब पर दो दिन पहले अपलोड किए गए वीडियो में विजय कहता है कि मैं आज या कल में सुसाइड कर लूंगा। बहुत परेशान हूं। पूरी-पूरी रात सो नहीं पाता हूं। मुझे मेरे घरवालों ने और जिस लड़की की वजह से सुसाइड कर रहा हूं, इन सबने मुझे इतना परेशान कर दिया है कि मेरे पास यही रास्ता बचता है। पुलिसवालों ने पैसा खाया है। मेरे खिलाफ झूठी शिकायत की गई। जबकि सबको पता था कि मैं ऐसा नहीं कर सकता हूं। किसी ने मेरे साथ अच्छा नहीं किया। हमारे बीच में सब कुछ अच्छा चल रहा था। महाशिवरात्रि से पहले उनकी अनबन हुई। फिर एक महीने तक उसने बात नहीं की। फिर एक दिन उसने मैसेज किया कि हमारे बीच अब कुछ नहीं हो सकता है। वह उसके आगे बहुत गिड़गिड़ाया, लेकिन वह नहीं मानी। विजय ने कहा कि मैं ये वीडियो स्द्धड्डह्यद्ध एसएसपी के पास भिजवाना चाहता हूं। मैंने सुना है वह बहुत अच्छे अफसर हैं। मरने के बाद मुझे इंसाफ मिले।

# मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 471 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविंद कुमार / पीलीभीत / समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मंगलवार को नवीन मण्डी समिति परिसर में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल पंजीकृत 505 जोड़ों के सापेक्ष 471 नवयुगलों का विवाह संपन्न कराया गया, जिनमें 131 अल्पसंख्यक जोड़े भी शामिल रहे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार मौजूद रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, जिला समाज कल्याण अधिकारी चन्द्रमोहन विश्नोई, ब्लॉक प्रमुख मरौरी अजय गंगवार, ब्लॉक प्रमुख अमरिया श्याम सिंह उर्फ निशान सिंह तथा नगर पंचायत अध्यक्ष संदीप कौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को उपहार सामग्री प्रदान कर उन्हें आशीर्वाद दिया और उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। इस अवसर पर मंत्री संजय सिंह गंगवार ने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य करते हुए विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने नवविवाहित जोड़ों को संबोधित करते हुए कहा कि जो दंपति अपना रोजगार स्थापित करना चाहते हैं, वे मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण प्राप्त कर स्वरोजगार शुरू किया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी पात्र लोगों तक पहुंचाकर उन्हें अधिक से अधिक लाभान्वित किया जाए।

# रामगंगा नगर की रामायण वाटिका को पर्यटन स्थल बनाने की तैयारी तेज, जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मंगलवार को नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य और बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मणिकंदन ए. के साथ रामगंगा नगर स्थित रामायण वाटिका का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, सौंदर्यीकरण, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूर्ण करते हुए वाटिका को अंतिम रूप दिया जाए। वहीं नगर आयुक्त ने नगर निगम की टीम को परिसर में साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और बेहतर पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने बताया कि रामायण वाटिका को शहर का आकर्षक पर्यटन स्थल बनाने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। यहां आने वाले लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था सहित अन्य जनसुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन के बाद रामायण वाटिका बरेली वासियों के लिए प्रमुख पर्यटन और मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित होगी, जहां स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण के साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

# आईजीआरएस व नॉन आईजीआरएस शिकायतों की प्रगति की डीएम ने की समीक्षा, तीन दिन में लंबित रिपोर्ट भेजने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आईजीआरएस एवं नॉन आईजीआरएस पर प्राप्त संदर्भों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन स्तर से प्राप्त लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को तीन दिन के भीतर लंबित रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में प्राप्त अनिस्तारित शिकायतों की भी समीक्षा की और उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पर असंतुष्ट फीडबैक और शिकायतकर्ताओं से संपर्क न होने के कारण जनपद की रैंकिंग प्रभावित हो रही है, इसलिए शिकायतों का सही श्रेणी में निस्तारण करते हुए संतुष्टि प्रतिशत बढ़ाया जाए। उन्होंने बताया कि आईजीआरएस शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और प्रत्येक बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसकी समीक्षा होती है, साथ ही हर माह जनपदों की रैंकिंग भी जारी की जाती है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने कार्यालयों में सुबह 9:45 से 12 बजे तक जनसुनवाई करें और आने वाले शिकायतकर्ताओं के साथ उचित व्यवहार करें। बैठक में आगामी त्योहारों को देखते हुए साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, अपर जिलाधिकारी न्यायिक देश दीपक सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### पत्नी की हत्याकर शव को श्मशान भूमि में फेंककर भागा पति

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। भुता थाना क्षेत्र के गांव रावल कला में अवैध संबंधों के शक में पति ने अपनी पत्नी की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी शव को श्मशान भूमि में फेंककर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की। पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह ग्रामीणों और ग्राम प्रधान की सूचना पर पुलिस श्मशान भूमि पहुंची, जहां महिला का शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर सीओ फरीदपुर भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया। ग्रामीणों के मुताबिक भीमसेन की पहली पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। करीब चार वर्ष पहले वह पीलीभीत जिले के गांव विला खजुआ की रहने वाली मंजू (32) को अपने साथ ले आया था। बताया जाता है कि सोमवार रात अवैध संबंधों के शक में भीमसेन ने शराब के नशे में पत्नी मंजू की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब नौ बजे आरोपी मंजू के शव को घर से पीठ पर लादकर श्मशान भूमि में फेंककर फरार हो गया। घटना की जानकारी होने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कॉल लोकेशन के आधार पर आरोपी पति भीमसेन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले की जांच की जा रही है।

### जीजा ने सच में नहीं सपने में छेड़ा था, साली के यू-टर्न से सात साल बाद एयरफोर्स कर्मी बरी

कानपुर में साली के सपनों वाले बयान के बाद एयरफोर्स कर्मी को छेड़छाड़ के मामले में सात साल बाद कोर्ट ने बरी किया। 19 दिन जेल में काट चुके जीजा को अब मिला न्याय।कानपुर में बहन की शादी के बाद चौथी पर ससुराल गई नाबालिग साली ने जीजा पर छेड़छाड़ का आरोप लगाकर हंगामा खड़ा कर दिया। रिपोर्ट दर्ज हुई तो जीजा को 19 दिन जेल की हवा खानी पड़ी, लेकिन जब मामला कोर्ट पहुंचाज्तो साली बयान से मुकर गई और बोली जीजा ने सच में नहीं सपने में छेड़ा था, मुझे भ्रम हो गया था। सात साल की कानूनी लड़ाई के बाद एयरफोर्स कर्मी जीजा को तो अदालत ने बरी कर दिया।हालांकि, इस दौरान उसके माथे पर लगे कलंक के चलते जो पारिवारिक और सामाजिक तिरस्कार उसे झेलना पड़ा उसका दंश वह जीवनभर नहीं भूल सकेगा। बिठूर निवासी एयरफोर्स कर्मी का विवाह 10 फरवरी 2019 को बिधनू की युवती से हुआ था। 13 फरवरी को एयरफोर्स कर्मी चौथी में पत्नी को लेने ससुराल गया, तो 15 वर्षीय साली भी उसके साथ आ गई। आठ मार्च की रात साली जोर-जोर से चिल्लाने लगी। 19 दिन जेल भी काटी- हन कमरे में पहुंची तो साली ने आरोप लगाया कि जीजा ने उसके साथ छेड़छाड़ की। बहन ने पुलिस बुला ली। पारिवारिक मामला होने पर पहले तो समझौता वार्ता चलती रही, लेकिन बात न बनने पर पिता ने तीन अगस्त को नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी। 29 सितंबर को एयरफोर्स गर्मी की गिरफ्तारी हो गई और 19 दिन जेल में रहने के बाद 17 अक्टूबर को जमानत पर उसकी रिहाई हो सकी। न्यायालय ने एयरफोर्स कर्मी को दोषमुक्त करार दिया अधिवक्ता करीम अहमद सिद्दीकी ने बताया कि जीजा को जेल की हवा खिलाने वाली साली के जब कोर्ट में बयान हुए तो पलट गई। बोली, छेड़छाड़ सपने में हुई थी। वह दवा खाकर सो रही थी, नींद में उसे लगा कि जीजा ने उसे दबोच लिया हैज्इसलिए उसने चिल्ला दिया। पीड़िता की बड़ी बहन और पिता ने भी भ्रमवश मुकदमा लिखाने की बात कोर्ट में कहीं। गवाहों के बयान और कोई ठोस सबूत न होने के कारण न्यायालय ने एयरफोर्स कर्मी को दोषमुक्त करार दे दिया।

# यूपी में बेटे के लिए तेंदुए से भिड़ी मां: जबड़े से खींच लाई चार साल का लाल, मोक्ष की गर्दन और कान पर गंभीर जख्म

मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के एक गांव में एक महिला तेंदुए से भिड़ गई। महिला अपने चार साल के बच्चे को जबड़े से खींच लाई। गंभीर घायल बच्चे का इलाज चल रहा है।मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के गांव तरफ दलपत में सोमवार रात घुसे तेंदुए ने चार साल के बच्चे को दबोच लिया। बच्चे की चीखें सुनकर दौड़ी मां तेंदुए से भिड़ गई। पास में पड़ा गन्ना उठाकर महिला ने तेंदुए पर ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। इस बीच शोर सुनकर कुछ ग्रामीण लाठी-डंडों के साथ तेंदुए की और दौड़े। चौतरफा घिरा तेंदुआ बच्चे को छोड़कर अंधेरे में जंगल की ओर भाग गया। गांव तरफ दलपत में रहने वाले रवि सैनी का जसपुर मार्ग पर मकान है।रात करीब आठ बजे रवि का बेटा मोक्ष उर्फ कृष्णा (4) घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ उछल-कूद कर रहा था। इस बीच जंगल से गांव में घुसा तेंदुआ अचानक वहां पहुंच गया और बच्चों पर झपट पड़ा। कुछ बड़े बच्चे चिल्लाकर इधर-उधर भाग गए, जबकि चार साल के कृष्णा को तेंदुए ने दबोच लिया। कृष्णा के चिल्लाने की आवाज सुनते ही उसकी मां पिंकी घर से बाहर निकल आई। अपने लाल को तेंदुए के शिकंजे में देखकर हिम्मत हारने के बजाय पिंकी ने चिल्ला-चिल्लाकर तेंदुए पर पास पड़े गन्ने से हमला कर दिया। ताबड़तोड़ गन्ने ऊपर पड़ने से तेंदुए की पकड़ ढीली हो गई और कृष्णा उसके चंगुल से छूट गया। इस बीच आसपास के ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर दौड़े। भीड़ जुटती देख तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। गया। कारण कुछ पता नहीं चला। मां की हिम्मत से तेंदुए के जबड़े से बचे मोक्ष की गर्दन और कान पर गंभीर जख्म हो गए। ग्रामीण तत्काल बच्चे को स्थानीय निजी चिकित्सक के पास ले गए। हालत गंभीर बताकर वहां से काशीपुर भेज दिया गया, जहां निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वन विभाग को मिले तेंदुए के पंजों के निशान- इस सूचना पर वन विभाग के दरोगा पीयूष जोशी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इस बीच पुलिस की टीम भी आ गई। दोनों ने जंगल में कॉम्बिंग की लेकिन तेंदुआ हाथ नहीं आया। ग्रामीणों ने बताया कि टॉर्च की रोशनी में वन विभाग को जंगल व खेतों में तेंदुए के पंजों के निशान मिले हैं। पुलिस और वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है। ग्रामीणों ने पिंजरा लगाने की मांग की है।

# शिक्षकों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा सुविधा, दो लाख से अधिक कर्मचारी भी होंगे लाभान्वित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उच्च शिक्षा के शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने का निर्णय लिया गया। योजना के तहत लगभग दो लाख कर्मचारियों को पांच लाख रुपये तक का इलाज सरकारी और संबद्ध निजी अस्पतालों में मिलेगा, जिस पर सरकार लगभग 50 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष खर्च करेगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में को मंजूरी दी गई। प्रस्ताव के तहत योगी सरकार ने उच्च चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है।इस संबंध उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिक्षकों का समाज निर्माण और शिक्षण व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत अशासकीय सहायता प्राप्त पाठ्यक्रमों के शिक्षकों, स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त में कार्यरत नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के शिक्षकों मुख्यमंत्री के निर्देश पर शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी इस इस योजना के अंतर्गत शिक्षकों और उनके आश्रित परिवार के निजी अस्पतालों में भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध अंतर्गत प्रति शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी 2479.70 रुपये का प्रीमियम व्यय होगा। प्रदेश में लगभग 2 लाख से अधिक शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी इस योजना से लाभान्वित होंगे और इस पर सरकार को लगभग 50 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का व्यय वहन करना पड़ेगा। इस व्यय की व्यवस्था उच्च शिक्षा विभाग के बजट से की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना का संचालन राज्य समग्र स्वास्थ्य एवं एकीकृत सेवा एजेंसी (साचीज) के माध्यम से किया जाएगा। योजना के तहत लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी, जिसकी दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार होंगी।उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस योजना के लाभार्थियों और उनके आश्रितों का विवरण उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष 30 जून तक साचीज को उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही जो व्यक्ति पहले से केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य स्वास्थ्य योजना (जैसे प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आरोग्य योजना) से आच्छादित होंगे, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि योगी सरकार शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के सम्मान और उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए लगातार संवेदनशील निर्णय ले रही है। यह योजना शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव शिक्षा के शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस में जानकारी देते हुए प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र और शिक्षा क्षेत्र के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। शिक्षकों होता है, लेकिन अब तक उन्हें चिकित्सा प्रतिपूर्ति की ने 5 सितम्बर 2025 (शिक्षक दिवस) के अवसर पर करने की घोषणा की थी।उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया महाविद्यालयों में कार्यरत नियमित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों तथा राज्य विश्वविद्यालयों को इस योजना के अंतर्गत लाया जाएगा। साथ ही योजना में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सदस्यों को सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ संबद्ध कराई जाएगी। मंत्री ने बताया कि इस योजना के

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

## भारतीय किसान यूनियन ( अराजनैतिक ) के दर्जनों पदाधिकारी और सैकड़ो सदस्यों ने संभाली टिकैत की कमान

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविन्द कुमार यादव/ श्रावस्ती में भारतीय किसान यूनियन( टिकैत) गुट के मंडल अध्यक्ष हृदय राम वर्मा जिला अध्यक्ष गोंडा बहराइच के पदाधिकारीयों की मौजूदगी में भारतीय किसान यूनियन (अराजनै तिक )के मंडल अध्यक्ष अमृतलाल वर्मा मंडल महासचिव शिवकुमार नायक मंडल उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह तहसील अध्यक्ष ईकौना लालमनि आर्या ब्लॉक अध्यक्ष सिरसिया पंडित विजय शुक्ला सहित सैकड़ो कार्यकर्ता व दर्जनों पदाधिकारी ने मंडल अध्यक्ष हरदाराम वर्मा की मौजूदगी में गिलौली एक पंचायत का आयोजन किया गया जिसमें सभी लोगों भारतीय किसान यूनियन टिकैत मे शामिल हुए भोजन उपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्व-सहायता समूहों का सम्मान, 53 समूहों को 1 करोड़ रुपये का सीसीएल ऋण वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा -कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में नाबार्ड, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक तथा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) ऋण का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में नाबार्ड भोपाल से मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वती, महाप्रबंधक श्री एस.सी. साहू तथा विदिशा जिले से सहायक प्रबंधक श्रीमती जसप्रीत कौर उपस्थित रहीं। वहीं मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक भोपाल से अध्यक्ष श्री आर.सी. बेहरा एवं क्षेत्रीय प्रबंधक सुश्री रेखा तिवारी भी कार्यक्रम में शामिल हुईं।

इस अवसर पर कुल 53 स्व-सहायता समूहों को लगभग 1 करोड़ रुपये का सीसीएल ऋण प्रदान किया गया, जिससे वे अपने स्वरोजगार और व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्रामों से आई लगभग 450 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं और परिवार के साथ-साथ समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई स्व-सहायता समूहों को सम्मानित भी किया गया। साथ ही विभिन्न समूहों को बैंक के माध्यम से सीसीएल ऋण स्वीकृत कर वितरित किया गया, जिससे वे अपनी आर्थिक गतिविधियों को विस्तार दे सकें और नई आजीविका के अवसरों से जुड़ सकें।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं को सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही महिला सशक्तिकरण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी लिया गया।

## संभल में चला बुलडोजर: मल्ली सराय में मुन्नी माता मंदिर के पास की जमीन खाली कराई, लोगों ने जताया विरोध

संभल के मोहल्ला मल्ली सराय में मुन्नी माता मंदिर के पास प्रशासन ने सरकारी जमीन को चिन्हित कर बुलडोजर से नींव खुदवाई। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने जमीन को अपनी बताकर विरोध किया। संभल के मोहल्ला मल्ली सराय में मुन्नी माता मंदिर के निकट प्रशासन ने सरकारी भूमि को चिह्नित कराया। इस पर बुलडोजर चलवाकर नींव भी खुदवाई। हालांकि, इस दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया तो जमीन को अपना बताया। प्रशासन ने इन लोगों से अभिलेख मांगे हैं। संभल कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मल्ली सराय में सोमवार की दोपहर एक बजे राजस्व टीम पहुंची।एसडीएम निधि पटेल और क्षेत्रीय लेखपाल मुकेश यादव साथ में थे। जमीन को खाली कराने के लिए नींव की बुलडोजर से खुदाई शुरू कराई गई तो स्थानीय लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। इसी दौरान कई लोग आए और जमीन को अपना बताया।उन्होंने इस संबंध में कोर्ट में मामला विचाराधीन होने की बात कही। एसडीएम ने बताया कि आबादी में दर्ज सरकारी भूमि को चिन्हित कर उस पर कब्जा लेने की कार्रवाई की गई है। कुछ लोगों ने अपना होने का दावा करते हुए आधे-अधूरे कागज दिखाएं, पूरे कागज दिखाने के लिए उन्हें मंगलवार तक का समय दिया गया है। सरकारी जमीन पर मस्जिद, दरगाह और मकान का निर्माण किया चंदौसी मार्ग पर स्थित गांव सैफखां सराय में सरकारी जमीन पर मस्जिद, दरगाह और मकान का निर्माण पाया गया है। इस मस्जिद और दरगाह की जिम्मेदारी संभल शहर की जामा मस्जिद के इमाम आफताब हुसैन वारसी के पास है। परिसर में बने मकान में जामा मस्जिद के इमाम और उनके भाई का परिवार रहता है। इमाम से जब इस बारे में जानकारी लेनी चाही तो उन्होंने कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। जबकि ग्रामीण का कहना है कि यह उनकी पुश्तैनी जमीन है। जहां पहले से ही दरगाह और मस्जिद बनी है। वहीं, दूसरी ओर तहसीलदार का कहना है कि उनकी कोर्ट में मामला विचाराधीन है। अब बेदखली का आदेश किया गया है। साथ ही दोनों कब्जाधारकों पर सात करोड़ का जुर्माना भी लगाया है। खाली करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है। संभल तहसीलदार के न्यायालय से सोमवार को सरकारी जमीन घोषित की गई है। इसमें बताया गया है कि गाटा संख्या 452 की करीब दो बीघा जमीन पर अवैध निर्माण किया हुआ है। जिस पर दरगाह, मस्जिद और मकान बना है। कुछ जमीन नजदीक में खाली पड़ी है। मालूम हो 2016 और 2017 में सरकारी जमीन होने का दावा करते हुए शिकायत की गई थी। बाद में मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा था। लेकिन आगे की कार्रवाई अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं, दूसरी ओर एक शिकायत तहसीलदार न्यायालय में भी दर्ज कराई गई थी। उसमें ही सुनवाई के दौरान अब कब्जा मुक्त किए जाने का आदेश किया गया है।

### मटेरा थाना क्षेत्र मे चोरों के हौसले बुलंद

## मटेरा पुलिस के रात्रि गस्त के सारे दावे फेल चोर मस्त पुलिस पस्त

क्यूँ न लिखूँ सच/संवाददाता अमरीक सिंह/ बीती रात में मटेरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत महारथा के मजरे मौलवी गांव में गृह स्वामी सल्लू राम पुत्र राजाराम ने बताया की रात्री मे चोरों ने सेंध लगाकर नगदी व जेवर लेकर फरार हो गये और गृह स्वामी की तरफ से एक प्रार्थना पत्र थाना मटेरा को दिया है मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच करने की बात कही ऐसे पुलिस महकमा के ऊपर एक सवालिया निशान खड़ा होता है की सारी रात 112 की पीआरबी व रात्रि में पुलिस द्वारा गश्ती की जाती है इसके बावजूद भी चोरी की घटनाएं आम बात हो गई है अब देखना यह है कि पुलिस प्रशासन के द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है और चोरों पर अंकुश लगाने के लिए कौन फार्मूला अपनाया जाता है

## कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच जिलेभर में रंगपंचमी का पर्व शांतिपूर्वक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा जिले में रंगपंचमी का पर्व पुलिस की व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रंगपंचमी के अवसर पर जुलूस निकाले गए, जिनके दौरान पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, निरंतर पेट्रोलिंग तथा प्रमुख स्थानों पर पुलिस की सतर्क निगरानी के चलते सभी कार्यक्रम शांतिपूर्वक सम्पन्न हुए।

इसी क्रम में रंगपंचमी के अवसर पर करीला माता मंदिर में आयोजित प्रसिद्ध करीला माता मेले में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता जानकी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग की प्रभावी व्यवस्थाओं के चलते करीला माता मेला भी शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ।

मेले को दृष्टिगत रखते हुए पूर्व में पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी द्वारा करीला मंदिर क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया था तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए थे। निरीक्षण के दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग एवं मार्ग संकेतकों को सुव्यवस्थित रखने तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए थे।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा करीला माता मेले की सुरक्षा व्यवस्था हेतु तैनात पुलिस बल को ब्रीफ करते हुए ड्यूटी के दौरान सतर्कता, समन्वय एवं श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए थे।

पुलिस की प्रभावी कार्ययोजना, अधिकारियों की सतत निगरानी तथा पुलिस बल की मुस्तैदी के चलते जिले में रंगपंचमी का पर्व एवं करीला माता मेला दोनों ही शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुए। इस दौरान पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

## चंदौसी में 60 मिनट तक पागल कुत्ते ने मचाया हाहाकार, 14 लोगों को पहुंचाया अस्पताल, बाजार में अफरातफरी

चंदौसी में पागल कुत्ते ने बदायूं रोड से बड़ा बाजार तक करीब दो घंटे में अलग-अलग स्थानों पर हमला कर 14 लोगों को घायल कर दिया। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज का टीका लगाकर उपचार दिया गया।चंदौसी में दो घंटे के अंदर एक पागल कुत्ते ने बदायूं रोड से बड़ा बाजार तक जगह-जगह हमलाकर 14 लोगों को घायल कर दिया। सभी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया है। सोमवार दोपहर बाद करीब दो बजे से एक कुत्ते ने लोगों पर हमला करना शुरू किया तो एक के बाद एक 14 लोगों को दांत मारकर जख्मी कर दिया।शहर के प्रवेश मार्ग बदायूं रोड पर बेहतरी रेलवे फाटक के पास से पागल कुत्ते ने हमला शुरू किया और शहर के कई मोहल्लों में होता हुआ बड़ा बाजार तक पहुंच गया। इस दौरान उसने विभिन्न क्षेत्रों के रहने वाले 14 लोगों को अपना शिकार बनाया। बाजार में जब लोगों पर हमला किया तो अफरातफरी का माहौल हो गया।लोग खुद को बचाने के लिए घरों और दुकानों के अंदर जा छिपे। सभी घायल शाम को करीब साढ़े चार बजे सरकारी अस्पताल पहुंचे जहां उन्हें दवा देने के साथ ही एंटी रैबीज की डोज लगाई गई।

बेहतरी फाटक के पास रहने वाले उमेश कुमार व ग्राम बैरीखेड़ा निवासी मुनेंद्र को फाटक के पास ही हमला कर कुत्ते ने घायल कर दिया। इसके अलावा मोहल्ला चुन्नी निवासी हरीश कुमार पर रामबाग के पास, घंटाघर के पास सोनू, आवास विकास कालोनी निवासी राजकुमार, घटियागेट निवासी किशोरी आसबी, ग्राम नगला गुर्जर निवासी बीना, मोहल्ला कबीर की रहने वाली राखी और ग्राम सिसरका निवासी सुमित कुमार को बड़ा बाजार में हमला कर पागल कुत्ते ने घायल कर दिया। यह सभी लोग बाजार में खरीदारी करने के लिए आए हुए थे। इसके अलावा ग्राम बहरोली रुस्तमपुर निवासी महाराम को डिस्पेंसरी रोड पर, मोहल्ला बड़ा महादेव निवासी हर्षित व अचारदान मोहल्ले के रहने वाले सतीश पर गोपाल मोहल्ला, आवास विकास निवासी अतुल अग्रवाल पर बिसौली गेट और संभल गेट निवासी अनीता पर कुत्ते ने शहर के बीचोबीच स्थित घंटाघर के पास हमला कर घायल कर दिया। दहशत फैलाने वाले कुत्ते को पकड़ा- घंटों तक दहशत का कारण बने रहे पागल कुत्ते को देर शाम जानवरों को संरक्षण देने वाली मां एनिमल संस्था की टीम ने काफी मशक्कत के बाद जाल डालकर पकड़ लिया। इसे शेल्टर होम ले जाया गया है। सड़क चलते लोगों पर हमला कर उन्हें जख्मी करने वाले पागल कुत्ते को पकड़ना तो दूर उसके आसपास जाने का साहस भी कोई नहीं कर पा रहा था। इस बारे में जब मां एनिमल फाउंडेशन के संस्थापक मोहित शर्मा को जानकारी हुई तो टीम ने काफी मशक्कत के बाद उसे बहजोई रोड पर मॉडल लॉ कालेज घेराबंदी कर जाल में फांस लिया और उसे सावधानी के साथ शेल्टर होम ले गए।

### संक्षिप्त समाचार

## धान क्रय केन्द्र प्रभारी पर कार्रवाई, सचिव पद से हटाए गए

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। सिरसिया सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता प्रेमचन्द्र प्रजापति ने बताया है कि जनपद में मूल्य सर्मथन योजनान्तर्गत धान खरीद से सम्बन्धित धान क्रय केन्द्र बी-पैक्स विशुनापुर पडवलिया विकास खण्ड सिरसिया में जनशिकायतों के निस्तारण हेतु जिलधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय द्वारा जॉच टीम गठित कर जॉच कराई गयी। जॉच में जॉच टीम को धान क्रय केन्द्र बी-पैक्स विशुनापुर पडवलिया पर क्रय केन्द्र प्रभारी अनिरूद्ध सिंह द्वारा गम्भीर लापरवाही किये जाने की स्थिति पायी गयी। जॉच रिपोर्ट के आधार पर अनिरूद्ध सिंह को समिति के सचिव पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है तथा उनके निलम्बन की कार्यवाही हेतु सभापति को पत्र प्रेषित किया गया है।

## सड़क हादसों में बालिका समेत तीन लोग घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती दो अलग अलग सड़क हादसों में एक बालिका समेत तीन लोग गंभीररूप से घायल हो गए। हादसे में घायल एक को जिला अस्पताल, एक को सीएचसी व एक को निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज हो रहा है। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय रेतहिया में प्रधानाध्यापक पवन कुमार सोनकर विद्यालय के काम से बाइक से जमुनहा तहसील जा रहे थे। इस दौरान वीरगंज बैरियर के पास पहुंचते ही अचानक उन्हें चक्कर आ गया और बाइक अनियंत्रित हो गई। इससे वह बाइक समेत सड़क पर गिर गए और गंभीररूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनोज सोनकर व ग्राम प्रधान बहोरवा नेईरिक्शा से घायल प्रधानाध्यापक को सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। इकौना के मोहनीपुर गांव निवासी ऊधौ (76) पुत्र लाले को ई रिक्शा से इकौना स्थित अभिषेक गैस एजेंसी गैस सिलेंडर बदलवाने आ रहे थे। गैस एजेंसी के पास अचानक ई रिक्शा पलट गया।

## ए0एच0टी0 व विशेष किशोर पुलिस इकाई की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। भिनगा - पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार कक्ष में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम की अध्यक्षता में थाना ए0एच0टी0 व विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में बालश्रम को रोकने, पॉक्सो एक्ट के साथ-साथ बाल विवाह को रोकने व उनके कल्याण के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को विस्तार से बताया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने सर्वप्रथम मीटिंग में उपस्थित पदाधिकारीगण से परिचय प्राप्त कर फीडबैक लिया तत्पश्चात अपर पुलिस अधीक्षक ने महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जारी (रडढ) अनुसंधान, थानों पर नियुक्ति बाल कल्याण पुलिस अधिकारी/विवेचक व जनपद में कार्यरत के समक्ष आ रही समस्या, बाल गुमशुदा, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम व बाल श्रम पुनर्वास के संबंध में चर्चा की गई तथा सभी बाल कल्याण अधिकारियों को क्षेत्र में जाकर सरकार द्वारा बाल श्रम के विरूद्ध चलायी जा रही योजनाओं के बारे में जनमानस को जागरूक करने हेतु बताया गया। उन्होंने जनपद में बाल विवाह रोकने के लिए उपस्थित सभी पदाधिकारीगण व समस्त थानों के बाल कल्याण अधिकारी को बताया गया कि सभी गाँवों में निरन्तर जाये और वहाँ चौपाल लगाकर बाल विवाह न करने हेतु प्रेरित करे साथ ही वहाँ के ग्राम प्रधान व सम्भ्रांत व्यक्तियों को बताये कि बाल विवाह से सम्बन्धित कोई मामला संज्ञान में आये तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस व सीडब्लूसी को दे जिससे समय रहते कार्यवाही अमल में लायी जा सके। साथ ही निर्देश दिया कि बाल अपराध से जुड़े संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा सक्रियता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें साथ ही जनपद में बाल संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से अभियान चलाए जाएं, पीड़ितों को अधिक से अधिक आवश्यक सहायता प्रदान की जाय तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़ा जाए। साथ ही बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु विद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं शहरी बस्तियों में जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# What is meningococcal disease and who is most at risk? Read the full details.

The health department in Shillong, Meghalaya, has been on high alert following the deaths of two Agniveer trainees from suspected meningococcal infection. The tragic deaths of two Agniveers in Meghalaya from meningococcal infection are a serious bacterial meningitis that can be fatal. Vaccination and hygiene can prevent this dangerous disease. Recently, two Agniveer trainees at an Army training center in Shillong, Meghalaya, tragically died from suspected meningococcal infection. They died within hours of being hospitalized, prompting the health department to be on high alert. The Meghalaya government recently issued a health advisory to prevent its spread. Strict measures, including contact tracing, isolation, and fumigation, are being implemented in the Assam Regimental Center and surrounding areas to prevent the spread of the disease. In this article, let's understand in detail what meningococcal infection is and who needs to be more careful. What is meningococcal disease? Meningitis is a disease that causes inflammation of the tissues surrounding the brain and spinal cord. According to the World Health Organization (WHO), it is a major global health threat that can be caused by a variety of bacteria, viruses, fungi, and parasites. Of these, bacterial meningitis is the most serious and life-threatening, with long-term adverse effects on the body. Meningococcal meningitis is also a type of bacterial meningitis, spread by the bacterium Neisseria meningitidis and requires immediate medical attention. What are the main symptoms of the disease? According to the Cleveland Clinic, meningococcal infection can cause several serious symptoms. If you experience these symptoms, you should immediately consult a doctor: Vomiting and nausea High fever and headache Stiff neck Dark spots or rashes on the skin Difficulty walking or standing upright Eye discomfort from bright light Excessive sleepiness or fatigue Confusion and irritability Diarrhea, joint and muscle pain, and loss of appetite Who is most at risk? While this infection can affect people of any age, some people are at higher risk. These include infants under one year of age, adolescents, and young adults. Additionally, people who have had their spleen injured or removed, or who have sickle cell disease, are at greater risk. People living in crowded areas, taking certain medications, or traveling to areas affected by this disease also need to be cautious. Severity and Risks of the Disease – If the patient does not receive immediate and appropriate treatment, this disease can prove fatal. Unfortunately, sometimes, even with treatment, patients can still die. Serious consequences of this disease include brain damage, kidney failure, loss or failure of body organs, nerve damage, and complete hearing loss. Prevention and Control Measures - To avoid this dangerous infection, it is essential to take certain precautions: Vaccination: According to the WHO, vaccination is the best way to prevent this disease. Children should receive the meningococcal conjugate (MenACWY) vaccine at 11-12 years of age and receive a booster dose at 16. Additionally, the MenB vaccine is also given for additional protection. It is important to note that no single vaccine provides protection against all types of infections. Hygiene: Wash your hands thoroughly with soap after using the bathroom and before eating. Avoid touching your eyes, nose, or mouth without washing your hands. Cover your mouth when coughing or sneezing, and don't share food, drinking water, utensils, or items like lipstick with others. Additionally, avoid crowded areas during an outbreak, get plenty of rest, and stay home if you feel sick. Contact treatment: Anyone who has been in close contact with an infected patient (such as a household member) should be given antibiotics such as rifampin, ciprofloxacin, or ceftriaxone within 24 hours.

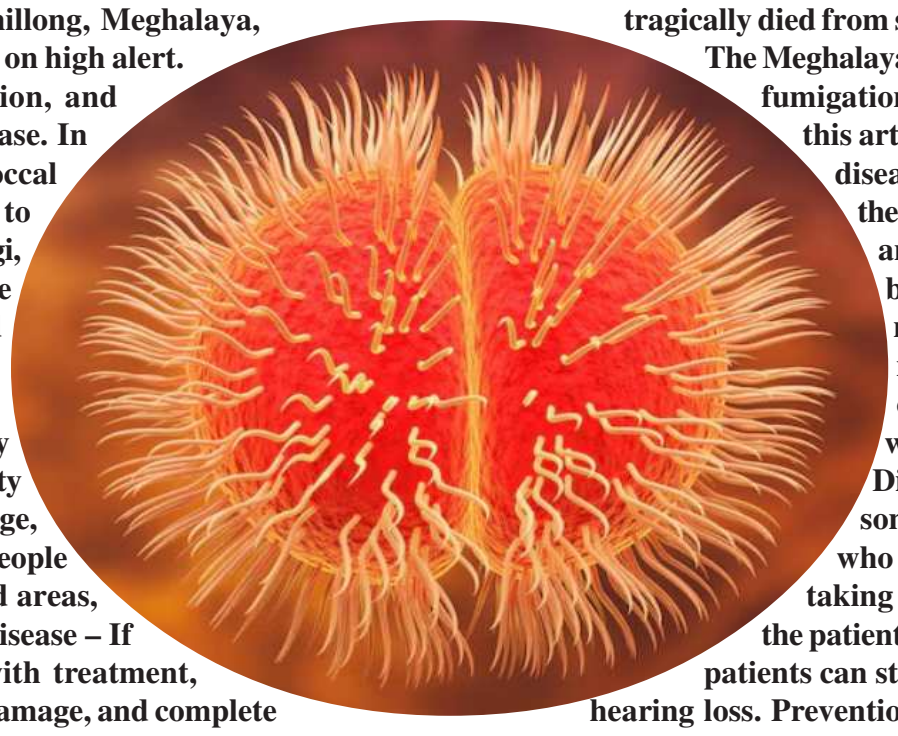

# Why should every woman take a solo trip at least once in her life?

The trend of solo travel among women is rapidly growing, and has now spread to smaller towns and rural areas. This trend is rapidly increasing among women. This journey empowers women and makes them confident. Proper research and planning, along with safety, are crucial. The trend of solo travel among women is rapidly increasing. This enthusiasm is not limited to big cities; women in rural India and small towns are also realizing that they too have the right to see and travel the world. An experiential article by solo traveler Tamanna Chauhan... The trend of solo travel among women has increased rapidly in recent years. According to various travel industry estimates, there has been an increase of approximately 30 percent in solo travel by women in India. Women in the 25 to 45 age group are particularly driving this trend. While previously confined primarily to metropolitan areas, now the interest of women in smaller cities and even rural India is rapidly increasing. Women from Meerut, Aligarh, Dehradun, Gorakhpur, Hisar, and even towns around Jaipur are now taking the plunge into solo travel. Internet media, digital payments, online review platforms, and safe group travel options have introduced them to a new world. While lack of information and social hesitation were once major obstacles, the internet has now given them choice, confidence, and inspiration. Traveling is a natural desire for every human being. Seeing new places, understanding new cultures, and escaping the daily routine—all of these appeal to everyone, but for a long time, traveling alone has been a taboo for women in Indian society. While traveling with family or husband is acceptable, questions arise as soon as the thought of traveling alone—"What is the need?", "Is it safe?", "What will people say?" This is where the modern and practical form of solo travel—women-only group tours—emerges as a balanced solution. Women enroll alone but travel with a safe, organized, and like-minded group of women. This gives them the experience of independent decision-making and the assurance of safety. This model is proving to be a comfortable and acceptable path, especially for women from small towns and traditional backgrounds. Speaking of self-confidence and self-esteem, solo travel is no longer seen as merely a form of travel. It's being considered a symbol of women's empowerment. When a woman decides to travel alone, she takes a step toward taking time for herself, understanding her identity, and challenging her fears. There are many other benefits—strengthening decision-making, increasing self-confidence and self-reliance, building a supportive network with women from diverse backgrounds, and positively impacting mental health. Many women share that after a solo trip, they feel clearer, more balanced, and stronger than before. They realize that they are not just someone's daughter, wife, or mother, but also individuals with independent identities. In recent years, there has been a significant increase in the participation of women from smaller towns and traditional families. Many women venture out of their homes alone for the first time, but within a few days, their confidence increases exponentially. Favorite Destinations - Long-term experience has shown that women prefer to explore places that offer a balance of natural beauty, cultural depth, and spiritual peace. For example, natural destinations like Ladakh, Spiti, Meghalaya, and the Andamans; culturally rich destinations like Rajasthan or Kutch; and internationally, safe countries like Japan, Bali, Georgia, or Europe. Women don't travel solely for photo opportunities or "tick-mark" tourism; they prefer to connect with local people, explore the cuisine, and experience the culture. For them, travel is an experience that leaves a deep impact. Safety should be paramount - Solo travel is full of adventure, but safety is paramount. Three things to always keep in mind: Proper research and planning: Get reliable information about the local conditions, weather, transportation, and accommodation in advance. Refer to official websites, verified reviews, and trusted travel platforms. Location and emergency contact: Share your travel details with family or trusted friends. Save important phone numbers and ensure internet connectivity. Alertness and confidence: Be cautious in unfamiliar places. Avoid unnecessary risks late at night and trust your intuition. If a situation feels uncomfortable, it's best to leave immediately.

# Roasted sweet potato chaat is the best for weight loss; prepare it quickly with this recipe.

Sweet potatoes are rich in fiber, which helps keep you full for longer and avoid unhealthy snacking. Losing weight can often seem boring and difficult. Most people think dieting means eating only boiled, tasteless food. But what if you found out you could lose weight quickly by eating your favorite chaat? Yes, you heard it right! Roasted sweet potato chaat is not only delicious, but it's also a superfood for those trying to lose weight. Why is sweet potato best for weight loss? Sweet potatoes are rich in fiber. After eating them, you stay full for a long time and don't feel hungry again and again. This helps you avoid unhealthy snacking. Additionally, it's low in calories and provides instant energy. Ingredients for Sweet Potato Chaat: 2 medium-sized sweet potatoes 1 teaspoon desi ghee or olive oil Half a teaspoon roasted cumin powder Half a teaspoon chaat masala Black salt to taste (optional) Fresh coriander leaves (finely chopped) Finely chopped green chilies Juice of half a lemon Method for Sweet Potato Chaat: First, wash the sweet potatoes thoroughly with water to remove any dirt. Peel them and cut them into small, square pieces. Place a pan or griddle on the stove, add a little ghee or olive oil, and heat it. Add the sweet potato pieces and fry over low heat until golden and crispy. (Tip: If you don't want any oil at all, you can roast them in the oven or air fryer, or lightly boil them and bake them on a griddle.) When the sweet potatoes are crispy on the outside and soft on the inside, turn off the heat and transfer them to a bowl. Now sprinkle black salt, roasted cumin powder, and chaat masala over it. To double the flavor, add finely chopped green chilies, coriander leaves, and squeeze half a lemon over it. Toss everything well. Your spicy, tasty, and healthy sweet potato chaat is ready. Whether you're a small evening hunger pang or craving something spicy while dieting, this sweet potato chaat is the perfect option.

# Will Dhurandhar's Yelina find romance in Imtiaz Ali's romantic film? Mukesh Chhabra reveals the truth

**Mukesh Chhabra has broken his silence on Sara Arjun, Yelina from Dhurandhar, joining Imtiaz Ali's Heer Ranjha. He revealed whether Sara will indeed be seen opposite Rohit Saraf in**

the film. Sara Arjun will be seen in Heer Ranjha - A new avatar of Yelina will be seen in Dhurandhar 2 - Mukesh Chhabra breaks silence on the news. Actress Sara Arjun made her mark playing Yelina Jamali Mazari in the Ranveer Singh-starrer Dhurandhar and will soon be seen in its sequel, Dhurandhar: The Revenge. A few days ago, several media reports suggested that Sara might play the female lead in Imtiaz Ali's upcoming film, Heer Ranjha. But now, Dhurandhar's casting director, Mukesh Chhabra, has broken his silence on the matter. Mukesh Chhabra breaks silence - Although there was no official confirmation regarding this, casting director Mukesh Chhabra has now dismissed rumors of her casting in "Heer Ranjha." He clarified that the actress hasn't signed any other films yet and is simply awaiting the release of Aditya Dhar's "Dhurandhar 2." On March 7th, Mukesh Chhabra shared a photo of Sara Arjun on Twitter (formerly Twitter). In his note, he clarified that the actress hasn't signed any other films yet and is awaiting the release of "Dhurandhar 2," which releases on March 19th. He wrote, "Sara Arjun hasn't signed any other films. We're just waiting for Dhurandhar 2. She hasn't signed any films and hasn't even met with anyone about any projects. So please relax, friends. I'll personally update you on her next project." Just wait, all other news are just rumours. Yelina's style changes in 'Dhurandhar 2' - The most awaited trailer of 'Dhurandhar' has been released recently and Yelina has turned out to be the biggest surprise in it. Yelina is not seen innocent in the trailer but holding a gun in her hand and with fire of revenge in her eyes. However, it will be known only when the film is released what she is going to do. Ranveer Singh, Sanjay Dutt, R Madhavan, Arjun Rampal will be seen playing their respective roles in 'Dhurandhar 2'. The film is ready to be released in theatres on 19th March.

# She started modeling to earn pocket money, what rules does Taapsee Pannu want to change in the industry?

**Taapsee Pannu spoke on International Women's Day about her financial independence, women-centric films, and the imbalance in the industry. She explained that she started modeling during her college days to earn pocket money. Taapsee believes that female-centric cinema is now a necessity, not just a trend. She started modeling in college, and women-centric cinema is now a vital necessity. She wants to change the gender-biased norms in the industry. Taapsee Pannu is known for her acting skills as well as her outspoken and bold views. Taapsee, who has made a strong presence with her unconventional films, spoke with her on International Women's Day about financial independence, women-centric films, and the imbalance in the industry. Here are some excerpts from the conversation. When did you understand the meaning of financial even small dependence? - During college. Everything is well-organized until school, but once I start college, commuting by local transport and easy. needs make me wish I had control over my finances. Asking for money every time and explaining why something is necessary isn't my There's a budget at home, and it has its limits, so I started modeling in my second year of college so I wouldn't be dependent on much family for pocket money. When I started earning, people said I'd understand the value of money, but the opposite happened to single- me. I enjoyed spending my own money because the decisions were now mine. It was an empowering feeling. That's when I and in what decided I'd never ask for money again. Do you believe that women-centric cinema is now a necessity, not just a trend? Yes, it was portrayed this absolutely, but as I said, not every need is always met. Similarly, balance is needed in society, but it's not always there. Balance is happened that you needed in films as well, so that male-dominated and female-dominated cinema are equally watched, equally liked and disliked, and almost a daily equally invested in them. Audiences should value both types of films equally, but that's not happening. Barely one or two films a often say I can't invest year, which we call women-centric cinema, achieve some significant box office success. The rest simply struggle to survive. How would inspire every did your films like "Thappad" and "Pink" contribute to women's empowerment? I think placing the responsibility on films to circumstances and handedly change society is unfair. Cinema is an art form. Its job is to sow an idea in your mind or initiate a discussion. Now, how far point yet, but direction you take that idea is up to you as the viewer. Yes, cinema can provide a topic for discussion: this film raises this issue, why example, different way, was it right or wrong? A film can force you to think and show you a direction, but you have to choose the path. Has it ever difference is always were prevented from making a women-centric film because you were told that heroine-centric films don't work? For me, this is there occurrence. It's always assumed that I only do female-centric films. I've also done films where my character wasn't central. People in such films or that I should work for free. Then I ask them, "Should I just keep working for free?" If you had to choose a story that Indian woman, what would it be? Most women-centric stories in our country begin with a woman who is initially surrounded by takes charge of her life by the end. Very few stories have a female protagonist from the very first frame. We haven't reached that inspiring stories do exist. If you could change one rule in the industry, what would it be? There are many unspoken rules. For people are treated differently on set, whether it's between lead and supporting actors, or between male and female actors. This there. I want that to change. There's also the issue of gender pay gap, which all of us women mention at times. But I think the industry strives every day. Of course, it's a business model, so sometimes the pace slows down, sometimes it increases, but the effort continues!**

# "I'll handle everything..." Thalapathy Vijay breaks silence on affair rumors and wife's petition! Makes this appeal to fans

**Actor and politician Thalapathy Vijay spoke about recent issues surrounding him at a Women's Day event in Chennai. He requested his supporters not to panic and stressed the need to prioritize public welfare. Thalapathy Vijay commented on ongoing reports about his personal life. Vijay made this appeal to fans: The actor's wife has approached the court. Actor-politician Thalapathy Vijay on Saturday expressed his concerns about recent problems surrounding him. His comments came in response to the attention his personal life has received in recent weeks. Vijay made this appeal to fans: A video from the event, which has now gone viral on social media platforms, shows Vijay urging his fans not to feel sad or stressed about his problems. He said, "Please don't worry about the recent problems surrounding me. They're not worth your time. I'll take care of them myself. It hurts me the most when you're sad or stressed because of my problems. Please don't take on this burden for me. Instead, focus on the well-being of others." Vijay's comments come at a time when his personal life has been a topic of much discussion online and in the media. Recently, his wife, Sangeeta Sornalingam, filed for divorce from Vijay after 26 years of marriage. Sangeeta were married in August 1999 and have two children, Jason Sanjay and Divya Sasha. Sangeeta filed a petition. Sangeeta later filed a petition seeking protection of residence and financial relief. She stated that she is a citizen of the United Kingdom and wants to be granted residential security in India. Reports of Vijay's affair with Trisha Krishnan surfaced after Vijay attended a wedding reception with actor Trisha Krishnan, hosted for the son of film producer Kalpana Suresh and Meenakshi. Currently, Vijay is reportedly awaiting the release date of his last film, Jana Nayakan. After that, he will focus entirely on his political career.**